NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 180 लखनऊ, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

ग्लोवल एआई पर पीएम मोदी का 3-सूत्रीय मास्टरप्लान, बोले- डाटा संप्रभुता का हो पूरा सम्मान

एजेंसी। दिल्ली। पीएम मोदी ने "ब्लैक बॉक्स" एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां सुरक्षा नियमों को देखा और सत्यापित किया जा सके। जवाबदेही स्पष्ट होगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार को भी बढ़ावा मिलेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया और चेतावनी दी कि ष्मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शनष के बिना यह तकनीक आत्मघाती साबित हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए स्पष्ट मानवीय मूल्यों और दिशा–निर्देशों की नींव आवश्यक है, और कहा कि सार्थक वैश्विक प्रभाव प्राप्त करने के लिए इस तकनीक को मानवीय विश्वास के साथ जोड़ा जाना चाहिए। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार और मानव–केंद्रित वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्कृष्टता और एआई के नैतिक उपयोग के लिए मेरे तीन सुझाव हैं। पहला, डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई प्रशिक्षण के लिए एक डेटा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। एआई में कहावत है, श्गलत इनपुट से गलत आउटपुटश। यदि डेटा सुरक्षित, संतुलित और विश्वसनीय नहीं है, तो आउटपुट भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, एक वैश्विक विश्वसनीय डेटा ढांचा आवश्यक है। एआई विकास के तकनीकी और कॉर्पोरेट पक्ष की ओर बढ़ते हुए, पीएम मोदी ने "ब्लैक बॉक्स" एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां सुरक्षा नियमों को देखा और सत्यापित किया जा सके। जवाबदेही स्पष्ट होगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार को भी बढ़ावा मिलेगा।एआई सुरक्षा अनुसंधान में एक प्रसिद्ध विचार प्रयोग का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने पेपरक्लिप समस्या के बारे में चेतावनी दी – एक ऐसा परिदृश्य जहां पेपरक्लिप बनाने जैसे संकीर्ण लक्ष्य वाली एआई नैतिक दिशा–निर्देशों के अभाव में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपभोग कर लेती है। उन्होंने आगाह किया, यदि किसी मशीन को केवल पेपरक्लिप बनाने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह ऐसा करना जारी रखेगी, भले ही इसके लिए उसे दुनिया के सभी संसाधनों का उपभोग करना पड़े। ऐसी अनपेक्षित आपदाओं को रोकने के लिए, प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि एआई को अपने मूल प्रोग्रामिंग में स्पष्ट मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन को एकीकृत करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई उत्कृष्टता शून्य में मौजूद नहीं हो सकती। तकनीकी प्रगति को मानवीय नैतिकता के साथ जोड़कर, भारत एक ऐसे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में विश्व का नेतृत्व करना चाहता है जो नवोन्मेषी और सुरक्षित दोनों हो।प्रधानमंत्री ने कहा कि यह माना जाता है कि यह शिखर सम्मेलन मानव–केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मिशन 2027 पर आरएसएस सीएम योगी से मिले मोहन भागवत, चुनावी रणनीति पर चर्चा!

संवाददाता।

लखनऊ। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बीच हुई बैठक 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर केंद्रित रही, जिसमें समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले की काट और संगठनात्मक मजबूती पर गहन चर्चा हुई। 2024 के नतीजों के बाद हुई यह मुलाकात यूपी में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने के लिए अहम मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत से मुलाकात की, जो दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ में हैं। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हुई यह मुलाकात 40 मिनट तक चली। मुलाकात का एजेंडा गुप्त रखा गया है। हालांकि, विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण भगवत का राज्य का यह नियमित दौरा महत्वपूर्ण है। इससे पहले वे आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत मथुरा और गोरखपुर में थे।लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान भगवत ने हिंदू आबादी में गिरावट, धर्मांतरण और हिंदू एकता के आह्वान जैसे मुद्दों पर बात की। आरएसएस नेता का दौरा इसी संदेश के साथ समाप्त हुआ। सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ और मोहन भगवत के बातचीत में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पीडीए (च्च।) फॉर्मूलेशन और यूजीसी विनियम, 2026 के देशव्यापी विवाद के इर्द–गिर्द घूमती रही। ऐसी अटकलें हैं कि मुख्यमंत्री ने आरएसएस प्रमुख को यूजीसी विनियमों और 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी पर इसके संभावित प्रभावों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की होगी, यदि इन विनियमों का उचित समाधान नहीं किया गया।सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाए गए नए नियमों पर रोक लगा दी थी। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, संगठन की मजबूती और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। माना जा रहा है कि चुनावी रणनीति, संगठनात्मक ढांचे को और प्रभावी बनाने तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय पर भी विचार–विमर्श हुआ।

उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर 2024 के आम चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन में भारी गिरावट के बाद। इसलिए, अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में इस बैठक को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना गया। यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं बल्कि राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। इस बात की संभावना अब तेज हो गई है कि आने वाले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं। आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के सिलसिले में देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और उनकी रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। हालांकि, भागवत द्वारा लगातार हिंदू एकता पर जोर दिए जाने के मद्देनजर इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह मुख्यमंत्री के हालिया भाषणों के सुर से मेल खाता है जिनमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के 'पीडीए अभियान' का जिक्र किया है। भागवत जनवरी में 10 दिन के दौरे पर मथुरा गए थे। इसी महीने वह फिर उत्तर प्रदेश आए और अपने कार्यक्रम की शुरुआत गोरखपुर के तीन दिवसीय दौरे से की, जिसके बाद वह लखनऊ पहुंचे। आरएसएस इसे शताब्दी वर्ष के जनसंपर्क अभियान का हिस्सा बता रहा है, जबकि राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इन बैठकों का राजनीतिक महत्व भी है।

सनातन भजन समागम और सूफी नाईट की सुरमयी शाम की आध्यात्मिक गूंज से आलोकित हुआ सुभारती महोत्सव-2026

डॉ. अतुल कृष्ण - "सनातन संस्कृति केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का वैचारिक आधार है"

विजडम इंडिया।

संवाददाता – देहरादून। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित 'सुभारती महोत्सवद्2026' के अंतर्गत सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की ऐसी भव्य श्रृंखला देखने को मिली, जिसने विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय चरित्र, सांस्कृतिक प्रतिबद्धता और समग्र शिक्षा दर्शन को सजीव रूप में प्रस्तुत कर दिया। 16 से 21 फरवरी तक चल रहे इस सप्ताह भर के आयोजन में जहां एक ओर खेल प्रतियोगिताओं, वाद–विवाद, मॉक पार्लियामेंट, कवि सम्मेलन, दीवार चित्रांकन, मेहंदी कला, फैशन शो और गाला ईवनिंग जैसे कार्यक्रमों ने युवा ऊर्जा को मंच दिया, वहीं सनातन भजन समागम और सूफी नाईट ने आध्यात्मिक चेतना का दिव्य वातावरण निर्मित किया।

सुभारती समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण के प्रेरक मार्गदर्शन एवं कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन के नेतृत्व में आयोजित इस महोत्सव ने शिक्षा के साथ संस्कृति और राष्ट्रभाव के समन्वय की परंपरा को सुदृढ़ किया। आयोजन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में डीन छात्र कल्याण डॉ. नीतिका कौशल ने कार्यवाहक सचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हुए सभी कार्यक्रमों का सफल संचालन सुनिश्चित किया।

महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'सनातन भजन समागम' ने पूरे परिसर को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऋतु खंडूरी भूषण उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सहदेव सिंह पुण्डीर ने सहभागिता की।

इस अवसर पर सुभारती समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने अपने बौद्धिक संदेश में कहा कि "सनातन संस्कृति केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का वैचारिक आधार है। हमें शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए आधुनिकता के साथ आगे बढ़ाना होगा। जब युवा अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति सजग होगा, तभी भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाएगा।"

मुख्य अतिथि ऋतु खंडूरी भूषण ने अपने संबोधन में कहा कि "आज की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। हमें उन्हें मुख्य धारा में और अधिक अवसर देने होंगे। साथ ही समाज में लड़कों की भी जिम्मेदारी है कि वे सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता का व्यवहार अपनाते हुए एक संतुलित एवं सुरक्षित वातावरण का निर्माण करें। तभी सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना साकार होगी।"

ख्याति प्राप्त कलाकार सनावर अली खान तथा मोहम्मद शारुख निदेशक, तानसेन म्यूजिक अकादमी, देहरादून ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूफियाना कलाम और रूहानी नग्मों से सजी इस शाम में प्रेम, एकता और आध्यात्मिक सौहार्द का संदेश गुंजायमान हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों की भारी उपस्थिति रही।

फाइन आर्ट्स एवं फैशन डिजाइन विभाग द्वारा आयोजित फैशन शो में विद्यार्थियों ने भारतीय परंपरा और आधुनिकता के समन्वय को परिधानों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन एवं प्रो–कुलपति डॉ. देश दीपक के संरक्षण में आयोजित इस शो ने रचनात्मकता और पेशेवर कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। दर्शकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति और सौंदर्यबोध की सराहना की।

कार्यक्रमों में सीईओ डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार श्री खालिद हसन, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र प्रताप सिंह, एपीडी डॉ. लोकेश त्यागी, डीन अकादमिक श्री मनमोहन गुप्ता सहित सभी डीन, विभागाध्यक्ष, प्राचार्य एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

सुभारती महोत्सवद्2026 ने यह सिद्ध किया कि विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक समन्वय का जीवंत मंच भी है। सूफी संगीत की सरस धारा और सनातन भजन की दिव्य गूंज के साथ सुभारती ने पुनः अपने राष्ट्रीय चरित्र और सांस्कृतिक नेतृत्व की प्रभावी छाप छोड़ी।

मनरेगा बचाओ संग्राम पर लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह

लखनऊ(आरएनएस)। को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस प्रशासन द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के विरोध ा में आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में कांग्रेसजनों ने लखनऊ स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर सत्याग्रह किया और प्रदेश सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। यह सत्याग्रह प्रदेश के सभी जनपदों में आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम में राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी, प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', विधायक वीरेन्द्र चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू तथा शहर कांग्रेस कमेटी उत्तरी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।सत्याग्रह को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार

विपक्ष की आवाज दबाने के लिए दमनकारी नीतियां अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों पर लाठीचार्ज कर सरकार ने अपनी तानाशाही प्रवृत्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करता रहेगा और यदि दमन की कार्रवाई बंद नहीं हुई तो प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन चलाया जाएगा।अजय राय ने आरोप लगाया कि सरकार किसान और मजदूर विरोधी नीतियां अपना रही है तथा दुर्भावना से प्रेरित होकर मदरसों की जांच करा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वाग्रह से प्रेरित कार्रवाई तत्काल बंद होनी चाहिए।प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रदर्शन से पूर्व ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नोटिस देना, उन्हें नजरबंद करना और रास्तों में रोकना इस बात का संकेत है कि सरकार विपक्ष से भयभीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा योजना को कमजोर करने का प्रयास कर रही है, जबकि यह योजना करोड़ों गरीबों, मजदूरों और किसानों को सम्मानजनक रोजगार की गारंटी देती है। उन्होंने कहा कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी।विधायक वीरेन्द्र चौधरी ने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौर में इस योजना ने प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देकर राहत प्रदान की थी और ग्रामीण आय, कृषि, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक सुरक्षा को मजबूती दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इसे समाप्त करने पर आमादा है।सत्याग्रह कार्यक्रम में पूर्व विधायक सतीश अजमानी, इन्दल रावत, फूल कुंवर, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, बंशीधर मिश्रा, राजेश सिंह काली, अरशी रजा, मुनीष चौधरी, पुष्पेन्द्र सिंह, निहारिका सिंह, ललन कुमार, जितेन्द्र सिंह, रज्जन आचार्य, एफ.एस. चर्चिल, राजेन्द्र पाण्डेय, के.के. शुक्ला, रजनीश यादव, सिद्धिश्री, शैलेन्द्र दीक्षित, आलेख पाण्डेय, मूलचन्द्र चौहान, अनिल शुक्ला, मनोज भार्गव, जीनत परवीन, वसीउल्लाह खान, महीप सिंह, गोलू पाठक, ओम प्रकाश सैनी, आलोक त्रिपाठी, किरन शर्मा, अजय शुक्ला, सुनीता चौधरी, राधेश्याम तिवारी, अजय वर्मा, विभा त्रिपाठी, निशांत कुमार, राम बक्श सिंह, अयोध्या पाल, संतराम रावत, राम सागर पाल, मो. इसरार, अनुल पाल, बब्बन पाण्डेय, राजेश पाल, नागेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, बृजमोहन मौर्य, शिव बहादुर सिंह सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे और महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया।

जहां स्त्री का सम्मान, वहीं देवता का वास- प्रो. मोजेज

ईसीसी में द्वि दिवसीय कला एवं संगीत श्रृंखला का आयोजन

प्रयागराज। विमेन सेल यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज, प्रयागराज द्वारा द्वि दिवसीय कला एवं संगीत श्रृंखला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ए. एस. मोजेज, प्राचार्य, यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज, विशिष्ट अतिथि प्रो. जस्टिन मसीह (बर्सर एवं परीक्षा नियंत्रक ईसीसी), डॉ शारदा सुंदरम रहे। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. ज्योतिका रॉय (सह प्राचार्या एवं डीन (कला संकाय), यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज एवं अध्यक्षा, विमेन सेल), प्रो.विनीता जॉन (विभागाध्यक्षा भूगोल विभाग एवं कुलसचिव ईसीसी), डॉ. निशि सेवक (सहायक आचार्या जूलॉजी, सचिव विमेन सेल ईसीसी) के संरक्षण में हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. ए. एस. मोजेज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जहां स्त्री का सम्मान होता है वहीं देवता वास करते हैं और आज की नारी अबला नहीं सबला है। विशिष्ट अतिथि प्रो. जस्टिन मसीह ने स्त्रियों को समाज और विश्व की जरूरी कड़ी बताते हुए कहा कि स्त्री सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है आज के समय में क्योंकि नारी जहां भी होती है संरक्षण करती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ .निशि सेवक द्वारा किया गया।कार्यक्रम का प्रारंभ प्रार्थना द्वारा डॉ प्रियंका वी लाल ने किया एवं दीप प्रज्ज्वलन प्रो. ए. एस. मोजेज ,प्रो . ज्योतिका रॉय, प्रो. जस्टिन मसीह, डॉ. निशि सेवक एवं डॉ . शारदा सुंदरम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन कविता पाठ, हस्त शिल्प एवं कला, वाद विवाद, एस.यू.पी.डब्ल्यू एवं लिखित सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिताओं का आयोजन डॉ.शिवांगी राव, डॉ.निशि सेवक, डॉ. शिखि सहाय, डॉ. अश्वथी प्रिंस के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रमों में कविता पाठ के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. माणिक चंद्र (प्राचीन इतिहास विभाग)और डॉ. सुदीप तिर्की (अध्यक्ष, हिंदी विभाग ईसीसी)रहे। वाद विवाद की प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. लिटिशा हर्मिट (पूर्व अध्यक्षा, अर्थशास्त्र विभाग) रहीं।कार्यक्रम में सहायक एवं अतिथि की भूमिका में डॉ. अनुपमा सिंह, डॉ. अंशु सिंह, डॉ. शिवानी सिंह, डॉ. कहकशां इरफान, डॉ. विष्णु प्रिया, डॉ . दीपशिखा, डॉ. ऐश्वर्या जायसवाल, डॉ. अक्सा खान, डॉ. अर्शी नाओम, डॉ.नीलम यादव, डॉ. प्रीति जायसवाल, डॉ.प्रेरणा हिगिंस, डॉ. ज्योति प्रधान, सुश्री उत्कृष्टि सिंह, डॉ. अंकिता कुशवाहा, डॉ. तनया कृष्ण, डॉ.प्रतिमा सिंह, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव आदि थे।

23-27 फरवरी तक होंगी वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं

देश भर में बनाए गए हैं 87 परीक्षा केंद्र

प्रयागराज। वेद अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 23 फरवरी से प्रारंभ होकर 27 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड ने प्रयागराज मंडल के लिए परीक्षा केंद्र क्रमांक 80 के रूप में झूंसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय को नामित किया है। इस केंद्र पर प्रयागराज मंडल के लगभग 325 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे, जिनमें 294 छात्र अनुदानित वेद पाठशालाओं इकाइयों से तथा 31 छात्र अनुदानरहित बाह्य परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत शामिल हैं। वेद को मुख्य विषय के रूप में अध्ययन करने वाले इन विद्यार्थियों की साक्षात मौखिक परीक्षा वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा चयनित वेदाचार्यों के पैनल के समक्ष सम्पन्न कराई जाएगी। आधुनिक विषयों में संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय, कंप्यूटर, वैदिक साहित्य का इतिहास, भारतीय ज्ञान–विज्ञान परंपरा, विज्ञान तथा कौशल विकास 3.0 की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रयागराज केंद्र पर प्रयागराज के अतिरिक्त प्रतापगढ़, फतेहपुर आदि जिलों के छात्र भी परीक्षा में भाग लेंगे। बोर्ड द्वारा केंद्र व्यवस्थापक के रूप में सामवेदाचार्य एवं विद्यालय के प्राचार्य ब्रजमोहन पांडेय को नियुक्त किया गया है। केंद्र व्यवस्थापक के अनुसार, वेद भूषण एवं वेद विभूषण पाठ्यक्रम के प्रथम से षष्ठ वर्ष तक की लिखित एवं मौखिक परीक्षाएं 23 से 27 फरवरी तक होंगी। लिखित परीक्षा प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। अपराह्न 11 बजे से 1 बजे तक वेद विषय की मौखिक परीक्षा होगी, जबकि दोपहर 2 बजे से सायं 7 बजे तक दूसरी पाली में मौखिक परीक्षाएं संचालित की जाएंगी। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की मौखिक परीक्षा अलग–अलग समयानुसार परीक्षकों के पैनल के समक्ष कराई जाएगी, जिसमें कंठस्थीकरण, स्वर संचालन एवं शुद्ध उच्चारण का परीक्षण होगा। देश भर में कुल 87 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें प्रयागराज मंडल के लिए यह एकमात्र केंद्र निर्धारित किया गया है। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी निगरानी, नकल–रोधी व्यवस्था तथा अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। परीक्षार्थियों के लिए आवास, भोजन और नाश्ते की निःशुल्क व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। परीक्षा सामग्री, प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं निर्धारित केंद्र पर पहुंच चुकी हैं। बोर्ड ने केंद्र पर्यवेक्षक, सह–केंद्र पर्यवेक्षक एवं परीक्षकों का पैनल नियुक्त कर दिया है।

क्लाउड किचन संचालक रिटायर्ड एयर फोर्स अधिकारी पर फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, तमंचा और बाइक बरामद

लखनऊ।(आरएनएस) पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन के थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में क्लाउड किचन संचालित करने वाले एक रिटायर्ड एयर फोर्स अधिकारी पर जानलेवा फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल यूपी 36 आर 8262 (एचएफ डीलक्स) बरामद की गई है। गिरफ्तारी सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी और थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई में की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने गिरफ्तारी करने वाली टीम के लिए 25 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है।प्रकरण में वादिनी मिथिलेश पाठक, निवासी संतकबीरनगर हाल पता कबीरपुर, गोसाईंगंज लखनऊ की तहरीर पर 30 जनवरी 2026 को थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मु.अ.सं. 57ध्2026 धारा 109(1) बीएनएस के तहत दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। तहरीर में उनके पति अवधेश कुमार पाठक पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करने का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा आठ पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा सर्विलांस सेल को भी जांच में लगाया गया।लगभग 300 सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण, तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर तथा अंसल स्थित शॉपिंग स्क्वायर के दुकानदारों से पूछताछ के बाद पुलिस ने 19 फरवरी 2026 को तड़के 12रू45 बजे झिलझिलापुरवा क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दुर्गेश मिश्रा (31 वर्ष) और अमित मिश्रा (24 वर्ष), निवासी ग्राम सेमरा थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के रूप में हुई है। मुकदमे में धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस पूछताछ में सामने

आया कि अमित मिश्रा ने अलीगढ़ से बीए (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई की है। वर्ष 2020 में उसकी मां की हत्या हो गई थी, जिसके बाद उसने अवैध देशी कट्टा खरीदा था। वह ऑनलाइन फल–सब्जी का व्यवसाय करता था और पूर्व में अंसल स्थित शॉपिंग स्क्वायर में "अमिट्टो रिटेल प्राइवेट लिमिटेड" के नाम से दुकान संचालित करता था। मार्च 2025 में उसने दुकान खाली कर अमेठी में कार्यालय बना लिया था।पुलिस के अनुसार 28 नवंबर 2025 को अजुनगंज के पास बाइक ओवरटेक करने को लेकर अमित मिश्रा और अवधेश कुमार पाठक के बीच कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश को लेकर अमित ने अपने बड़े भाई दुर्गेश के साथ मिलकर 30 जनवरी 2026 की रात अंसल शॉपिंग स्क्वायर में योजना बनाकर अवधेश पाठक पर गोली चला दी। वारदात के बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से सुल्तानपुर रोड होते हुए अमेठी भाग गए।घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा, खोखा कारतूस और मोटरसाइकिल पुलिस ने बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार अमित मिश्रा ऑनलाइन सब्जी और फल बेचने का काम करता है, जबकि दुर्गेश मिश्रा खेती–बाड़ी से जुड़ा है।

गूगल पे कस्टमर केयर बनकर ठगे 1.93 लाख

टिकट रिफंड का झांसा देकर एपीके फाइल डाउनलोड कराई, फिर मोबाइल हैक कर उड़ाई रकम

प्रयागराज। रिफंड के नाम पर साइबर ठगों ने कर्नलगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति से 1.93 लाख रुपए ठग लिए। गूगल पे कस्टमर केयर बनकर साइबर ठगों ने एपीके फाइल डाउनलोड कराई। इसके बाद 5 लोगों के अकाउंट से रुपए निकाल लिए। ठगी के शिकार हुए पीड़ित ने पुलिस को बताया, उन्होंने 24 दिसंबर की रात करीब 9रू14 बजे दिल्ली से प्रयागराज की ट्रेन बुक की थी, फिर कैंसिल कर दी थी। टिकट का रिफंड न मिलने पर इंटरनेट पर कस्टमर केयर नंबर मिला। इस पर संपर्क किया। कुछ ही देर बाद दूसरे नंबर से उनके व्हाट्सएप पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को गूगल पे का प्रतिनिधि बताते हुए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा। फिर 1.93 लाख रुपए ठग लिए। पूरा मामला कर्नलगंज के पुराना कटरा का है।पुराना कटरा के रहने वाले सुनील कुमार ने बताया कि जैसे ही मैंने बताए गए निर्देशों का पालन किया, जालसाजों ने उनके मोबाइल का रिमोट एक्सेस ले लिया। इसके बाद उनसे गूगल पे और फोन पे ऐप खोलने को कहा। ठगों ने यह भी कहा कि ट्रांजेक्शन में समय लग रहा है और 24 घंटे में पैसा वापस हो जाएगा।सुनील के अनुसार उनके मोबाइल नंबर से जुड़े परिवार के खातों से अलग–अलग ट्रांजेक्शन कर कुल 1.93 लाख रुपये निकाल लिए गए। जब उन्होंने खाते से पैसा कटने की जानकारी दी तो आरोपी ने माफी मांगते हुए रकम वापस आने का आश्वासन दिया, लेकिन पैसा वापस नहीं आया।इस मामले में सुनील ने कर्नलगंज थाने में लिखित तहरीर दी। इसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। इस मामले में साइबर सेल को भी एक रिपोर्ट भेजी गई है। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है उनका डिटेल निकलवाया जा रहा है। साइबर सेल की मदद से ट्रांजेक्शन डिटेल और कॉल रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

आईटीआई के निजीकरण और बंद पड़े संस्थानों पर विधानसभा में गरजीं आराधना मिश्रा मोना

लखनऊ(आरएनएस)। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश के युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन से जुड़े मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाते हुए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की बदहाल स्थिति पर सरकार को घेरा। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों में नियमित प्रशिक्षण न होने, स्टाफ की कमी और निजीकरण की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खोले गए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का मजबूत माध्यम थे। इन संस्थानों में कम शुल्क पर प्रशिक्षण उपलब्ध होता था और छात्रों को स्टाइपेंड देकर प्रोत्साहित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के चलते इन संस्थानों की उपेक्षा की जा रही है और उन्हें निजी कंपनियों के हवाले किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पहले सरकारी आईटीआई में लगभग

700 से 1000 रुपये तक की फीस ली जाती थी, जिससे किसान और गरीब परिवारों के बच्चे भी आसानी से प्रशिक्षण ले पाते थे। लेकिन पीपीपी मॉडल पर निजी कंपनियों को संचालन सौंपे जाने के बाद 70 प्रतिशत सीटें निजी कोटे से भरे जाने का प्रावधान है, जिससे मनमानी और महंगी फीस वसूले जाने का खतरा बढ़ गया है। इससे ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा।उन्होंने विधानसभा में सरकार के ही आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों में 37 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्वीकृत किए गए, जिनमें से 32 के भवन बन चुके हैं, लेकिन कई स्थानों पर अभी तक प्रशिक्षण शुरू नहीं हो सका है। एक आईटीआई के निर्माण पर 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होता है, लेकिन यदि वहां प्रशिक्षण ही न हो तो भवन का कोई औचित्य नहीं रह जाता। इस संबंध में सरकार की ओर से कोई स्पष्ट समयबद्ध योजना सामने नहीं आई है।उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान लेटेस्ट नामक कंपनी को प्रतापगढ़, इटावा, बाराबंकी, कन्नौज और देवबंद के आईटीआई संचालन की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन कई स्थानों पर अब तक कक्षाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। प्रतापगढ़ के लालगंज में वर्ष 2017 से भवन तैयार है, परंतु नौ वर्षों बाद भी वहां प्रशिक्षण प्रारंभ नहीं हुआ। छात्रों को ऐसे संस्थान आवंटित कर दिए गए जहां कक्षाएं संचालित नहीं हो रहीं, जिसके कारण उन्हें जिला मुख्यालय तक जाना पड़ रहा है और समय व धन दोनों की बर्बादी हो रही है। उन्होंने ऐसी एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।आराधना मिश्रा मोना ने आईटीआई में स्टाफ की भारी कमी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि एक आईटीआई में 30 से अधिक अनुदेशक, एक प्रधानाचार्य, तीन कार्यदेशक, सात प्रशासकीय अधिकारी और नौ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आवश्यक होते हैं, लेकिन इन पदों पर पर्याप्त भर्ती नहीं की गई है। बिना प्रशिक्षकों और स्टाफ के संस्थानों का संचालन संभव नहीं है और इससे युवाओं का भविष्य अधर में लटक रहा है।उन्होंने मांग की कि सभी स्वीकृत आईटीआई को शीघ्र चालू किया जाए, आवश्यक स्टाफ की भर्ती की जाए, निजी एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और फीस निर्धारण पर सरकार सख्त नियंत्रण स्थापित करे ताकि गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चों के हितों की रक्षा हो सके।

माधव ज्ञान केंद्र में तीन दिवसीय क्षेत्रीय संगीत कार्यशाला का शुभारंभ

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र नैनी प्रयागराज में तीन दिवसीय क्षेत्रीय संगीत कार्यशाला का शुभारंभ प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र के संयोजन में प्रारंभ हुआ। कार्यशाला में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संयोजक, सह क्षेत्र संयोजक, प्रांत संयोजक, नगरीय एवं ग्रामीण तथा सह प्रांत संयोजक नगरीय एवं ग्रामीण सहित 13 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

विद्यालय के मीडिया प्रभारी संजय कुमार मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का उद्घाटन अखिल भारतीय सह संगीत संयोजक एवं सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश डॉक्टर राम मनोहर एवं अखिल भारतीय संगीत संयोजक एवं देश के सुप्रसिद्ध ध्रुपद गायक विनोद कुमार द्विवेदी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन करके किया।

कार्यशाला का प्रथम दिन परिचयात्मक बैठक एवं आवश्यक दिशा निर्देशों का रहा। औपचारिक रूप से द्वितीय दिवस में उद्घाटन के साथ–साथ प्रथम सत्र में वंदना सत्र में होने वाले प्रातः स्मरण एवं एकात्मता स्तोत्र के शुद्ध उच्चारण का अभ्यास डॉ राम मनोहर ने तत्पश्चात अखिल भारतीय स्तर पर चयनित गीतों का विनोद कुमार द्विवेदी ने स्वरों एवं तालों का महत्व समझाते हुए सभी प्रतिभागियों को अभ्यास कराया।

कार्यशाला में आए हुए प्रतिभागियों एवं अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने एवं परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय संगीत संयोजक मनोज कुमार गुप्ता ने किया।

गंगा में डूबे किशोर का तीसरे दिन मिला शव

झूंसी में दोस्त के साथ डूबा था कार्तिक

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के पीपा पुल नंबर चार के निकट 17 फरवरी को दोस्तों संग गंगा नहाने गए किशोर आदित्य और कार्तिक गहरे पानी में डूब गए थे। आदित्य का शव कुछ ही घंटे में मिल गया था लेकिन कार्तिक का कुछ पता नहीं चल सका था। उसका शव तीसरे दिन गुरुवार को जल पुलिस और गोताखोरों ने माघ मेला क्षेत्र के पांटून पुल नंबर तीन के पास बरामद किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलपुर थाना क्षेत्र के के कतरौली पहसी गांव निवासी अशोक कुमार किसान हैं। उनके दो बेटों में 14 वर्षीय आदित्य पटेल छोटा था। वह झूंसी के कटका में रहने वाले मामा रामराज के घर पर रहकर लाला मनमोहनदास इंटर कालेज में आठवीं की पढ़ाई करता था। इसी स्कूल में 15 वर्षीय कार्तिक तिवारी पुत्र स्व. अजय तिवारी भी आठवीं में पढ़ता है। वह मूलरूप से जौनपुर के बड़ौना, फतेहगंज का निवासी है। कटका में किराए वाले मकान में मां रेनू तिवारी और दो बहनों के साथ रहता है।

नई झूंसी निवासी 15 वर्षीय शिवम निषाद पुत्र भगवान निषाद भी लाला मनमोहनदास इंटर कालेज में पढ़ता है। इनका दोस्त कटका निवासी 17 वर्षीया सत्यम पुत्र राम है, जो गांधी इंटर कालेज में 10वीं का छात्र है। 17 फरवरी की दोपहर करीब दो बजे चारों दोस्त कार्तिक की बाइक से पांटून पुल नंबर पांच के पास पहुंचे। इसके बाद गंगा में स्नान करने लगे। गहरे पानी में जाने के कारण आदित्य डूबने लगा तो उसे बचाने के लिए कार्तिक आगे बढ़ा। यह देख सत्यम और शिवम भी आगे बढ़े लेकिन फिर किसी तरह खुद को बचाते हुए बाहर निकल आए। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग मदद के लिए भागे। खबर पाकर जल पुलिस के जवान और गोताखोर मौके पर पहुंच गए।सर्च आपरेशन चलाया तो आदित्य की लाश मिल गई। वहीं लापता कार्तिक तिवारी की तलाश जल पुलिस और गोताखोर कर रहे थे। गुरुवार को उसकी लाश जल पुलिस और गोताखोरों ने माघ मेला क्षेत्र के पांटून पुल नंबर तीन के पास बरामद किया। जानकारी होने पर परिवार के लोग गमगीन हो गए।

बिना अनुज्ञा शुल्क लगाए गए अवैध होर्डिंग्स पर नगर निगम की कार्रवाई, 62.93 लाख की वसूली

लखनऊ(आरएनएस)। शहर में बिना अनुमति और अनुज्ञा शुल्क जमा किए लगाए गए विज्ञापन पटों के विरुद्ध नगर निगम ने गुरुवार को व्यापक अभियान चलाया। यह कार्रवाई नगर आयुक्त गौरव कुमार एवं अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देश पर की गई। अभियान का संचालन प्रभारी अधिकारी (प्रचार) विनीत सिंह के निर्देशन में तथा कर अधीक्षक (प्रचार) ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में किया गया। निरीक्षक और सुपरवाइजर भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे।नगर निगम की टीम ने विभिन्न प्रमुख स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए होर्डिंग्स और विज्ञापन पटों को हटाया। सबसे पहले हजरतगंज क्षेत्र में दर्पण एडवरटाइजिंग द्वारा लगाए गए अवैध विज्ञापन पट हटाए गए। इसके बाद सप्रू मार्ग पर बेस्ट साल्व कंपनी के विज्ञापनों को हटाया गया। वहीं टेढ़ी पुलिया (रिंग रोड) क्षेत्र में सेठ एडवरटाइजिंग के अवैध होर्डिंग्स हटाए गए।अभियान के तहत खुर्रम नगर (रिंग रोड) क्षेत्र में समीर एडवरटाइजिंग एवं रिजल्ट एडवरटाइजिंग द्वारा लगाए गए विज्ञापन पटों को भी हटाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति और अनुज्ञा शुल्क के विज्ञापन लगाना नियमों का उल्लंघन है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

गांधी प्रतिमा पर बैठ मनरेगा मुद्दे पर जताया विरोध

प्रयागराज। केंद्र एवं राज्यों की भाजपा सरकारों द्वारा गरीबों और किसानों की जनकल्याणकारी योजना मनरेगा खत्म करने को लेकर गुरुवार अपराह्न शहर एवं जिला यमुनापार व गंगापार कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने संयुक्त तत्वावधान में बालसन चौराहा स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर शांतिपूर्ण बैठ विरोध दर्ज कराया। इस दौरान शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी की अध्यक्षता में हुई सभा में मंगलवार को लखनऊ में विधानसभा घेराव को प्रदेश भर से पहुंचे कांग्रेसजनों पर पुलिस और आरएएफ के जवानों द्वारा लाठी चार्ज की निंदा की गई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित सैंकड़ों कांग्रेसजन घायल हो गए थे।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा लखनऊ कूच करने से पूर्व चार सौ से अधिक कांग्रेसी नेताओं को उनके जिलों में हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। कांग्रेसजनों ने योगी सरकार के इस कृत्य और पुलिसिया रवैये को अलोकतांत्रिक बताया। कहा कि मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत छेड़े कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन को सरकार की दमनकारी नीति और लाठी चार्ज से रोका नहीं जा सकेगा बल्कि कांग्रेसी इस जनसंघर्ष को और मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। बताया कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि ग्रामीण भारत की समग्र आर्थिक प्रणाली को चलाने वाला आधार स्तंभ था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 20 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

लाठीचार्ज के विरोध में गांधी पार्क में कांग्रेस का सत्याग्रह

राहुल गांधी के आगमन से पहले सुल्तानपुर में सियासी पारा हाई

सुल्तानपुर। 17 फरवरी को लखनऊ में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जनपद सुल्तानपुर में कांग्रेस सड़क पर उतर आई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला मुख्यालय स्थित सुपर मार्केट के गांधी पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष जोरदार सत्याग्रह आंदोलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने किया, जबकि शहर अध्यक्ष शकील अंसारी की प्रमुख उपस्थिति रही। सत्याग्रह के दौरान कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारे लगाए और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल राजनीतिक रूप से गरमाया रहा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज

लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध हमारा संवैधानिक अधिकार है। अगर सरकार जनता की आवाज उठाने वालों पर लाठी चलाएगी तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। सड़क से सदन तक संघर्ष होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए दमन की राजनीति कर रही है जिसे कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन पर बल प्रयोग यह साबित करता है कि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों से भटक चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दमन का सिलसिला जारी रहा तो कांग्रेस व्यापक जन आंदोलन छेड़ेगी। हम गांधीवादी तरीके से संघर्ष करेंगे, लेकिन अन्याय के खिलाफ पीछे नहीं हटेंगे।इस अवसर पर नफीस फारूकी, श्याम किशोर, शंकर मिश्र, असलम अंसारी, सलाहुद्दीन हाशमी, मो अतीक, विजयपाल, अतहर नवाब, शरद श्रीवास्तव, रंजीत सिंह सलूजा, अनवर फौजी, जमींदार यादव, मोहित तिवारी, मानस तिवारी, देवेंद्र श्रीवास्तव उमाकांत त्रिपाठी,समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

राहुल गांधी आज सुल्तानपुर में, कांग्रेसियों में उत्साह

संवाददाता।

सुल्तानपुर आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखा जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा एवं शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व तथा राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह की अध्यक्षता में विस्तृत तैयारी बैठक आयोजित की गई।बैठक में स्वागत, न्यायालय परिसर में उपस्थिति, कार्यकर्ताओं की तैनाती और संगठनात्मक रणनीति पर चर्चा की गई। ज्ञात हो कि मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी एमपी–एमएलए कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराएंगे।उनके आगमन को ऐतिहासिक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की सबसे मजबूत आवाज हैं। उन्होंने कहा राजनीतिक द्वेष से प्रेरित मुकदमों से सच्चाई नहीं दबेगी। सुल्तानपुर की धरती उनका ऐतिहासिक स्वागत करेगी। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि राहुल गांधी का आगमन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा। उन्होंने कहा हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संघर्ष को तैयार हैं। सुल्तानपुर की जनता राहुल गांधी का भव्य स्वागत करेगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष .ष्ण कुमार मिश्र, फिरोज अहमद, लाल पद्माकर सिंह, राहुल त्रिपाठी, हौसिला प्रसाद भीम, सुरेश चंद्र मिश्रा, वरुण मिश्र, सुब्रत सिंह, विजयपाल गौतम, ममनून आलम,सलाहुद्दीन हाशमी,हामिद राईन समेत दर्जनों नेता मौजूद रहे।

सपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य को पुत्र षोक

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय सिंह के बेटे योगेन्द्र सिंह उर्फ जन्नू का गुरुवार को दुखद निधन हो गया। विदित हो पिछले कुछ महीनों से वे कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित थे। उनका इलाज अस्पताल से चल रहा था। कि अचानक रविवार गुरुवार भोर में को 4.30 बजे उनकी तबियत अचानक बिगड़ गई। आनन फानन परिवरी जन उन्हें लखनऊ अस्पताल ले गये जहां पहुंचते ही उनका निधन हो गया। उक्त घटना से पूरे क्षेत्र में दुख का माहौल है।

जत्थेदार त्रिलोचन सिंह जी की 31वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं भंडारे का आयोजन किया

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल की ओर से जत्थेदार त्रिलोचन सिंह जी की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सदर बाजार स्थित कुतुब रोड पर श्रद्धांजलि सभा एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जत्थेदार त्रिलोचन सिंह जी के बेटे व नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

राकेश यादव, सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड्स एसोसिएशन सीनियर वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर आर्य, सुनील पुरी बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारियों, समाजसेवियों और क्षेत्रीय नागरिकों ने भाग लेकर दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर नेशनल अकाली दल एवं सदर बाजार बारी मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने जत्थेदार त्रिलोचन सिंह जी के सामाजिक और धार्मिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज सेवा, भाईचारे और संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों की स्मृति हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

विधानसभा सत्र में गरजे इसौली विधायक

लखनऊ/सुल्तानपुर। विधानसभा सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के इसौली विधायक ताहिर खान सरकार पर हमलावर रहे। उन्होंने सरकार के भारी भरकम बजट पर कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार केवल झुनझुना पकड़ा रही है।उनकी विधानसभा की सड़कों का कार्य नहीं हो रहा है।साथ ही काफी दिनों से उन्होंने विद्युत उपकेंद्र बनाने की मांग रखी है। लेकिन उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। विधायक ने कहा कि अलीगंज से कुड़वार मार्ग जो सिंगल लेन सड़क है। उसे कई बार प्रस्ताव के बाद भी चौड़ीकरण में नहीं लिया गया। कुड़वार से नौंगवा तीर गांव होकर अयोध्या को जाने वाली सड़क पर भी चौड़ीकरण नहीं किया गया।विधानसभा क्षेत्र से निकलकर प्रभात नगर को जाने वाले देवरा मार्ग को चौड़ीकरण में नहीं लिया। अशरफ पुर में पुल बनाने की मांग काफी दिनों से उनके द्वारा की जा रही है लेकिन उसका भी संज्ञान नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि उनके लोकसभा के कार्यकाल के दौरान राजीव गांधी विद्युतिकरण योजना के अंतर्गत

जो केबल लगाई गई थी वह अब जर्जर हो चुकी है। उसको भी नहीं बदलवाया जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र में कई पावर हाउस प्रस्तावित है लेकिन अभी तक निर्माण नहीं हुआ।गर्मी के दिनों में ओवर लोड की समस्या से निदान के लिए बहलोलपुर गांव में 132 केवी पावर हाउस बनाने का प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन उसका भी आज तक संज्ञान नहीं लिया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर विधानसभा क्षेत्र में कट बनाए जानी की मांग भी उठाई। उन्होंने सरकार से मांग की हमारी विधानसभा के कई मार्ग ऐसे है जो प्रयागराज और अयोध्या को जोड़ते है उन सभी को सात मीटर करवाने के साथ ही इसौली विधानसभा का भी विकास करवाया जाए।

करौंदीकला में पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट का आरोप

करौंदीकला/सुल्तानपुर। थाना करौंदी कला क्षेत्र के बुढ़ापुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों द्वारा एक घर में घुसकर महिलाओं और युवतियों के साथ मारपीट व अभद्रता किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित सदाशिव उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय गिरजाशंकर उपाध्याय के अनुसार, गुरुवार 19 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 9 बजे वह अपनी पत्नी पूनम के साथ खेत में काम कर रहे थे। उसी दौरान घर पर उनकी दो बेटियां, अंजलि और आंचल, अकेली थीं। सदाशिव का आरोप है कि पूर्व में दर्ज एक मुकदमे की रंजिश को लेकर शशि उपाध्याय, सचिन

उपाध्याय, रिंकू उपाध्याय, जयप्रकाश, अमित, विमलेश और मोनू समेत कुछ अन्य लोग उनके घर में जबरन घुस आए। आरोपियों ने घर में मौजूद बेटियों के साथ गाली–गलौज की और मारपीट की।श ोर–शराबा सुनकर जब सदाशिव और उनकी पत्नी मौके पर पहुंचे तो आरोप है कि दबंगों ने उनके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना में आंचल को गंभीर चोटें आने की बात कही गई है। सदाशिव ने करौंदी कला थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के उपरांत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नवागत थानाध्यक्ष ने संभाला कूरेभार थाने का कार्यभार

कूरेभार/सुल्तानपुर। नवागत थानाध्यक्ष संदीप त्रिपाठी ने गुरुवार को कूरेभार थाने का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन और विभाग की मंशा के अनुरूप कार्य करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। थानाध्यक्ष त्रिपाठी ने थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और फरियादियों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि सभी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। अपराध पर अंकुश लगाना और पुलिस–जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि थाने पर आने वाले फरियादियों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे बेझिझक अपनी समस्या बता सकते हैं। पुलिस उनकी समस्याओं का हरसंभव समाधान करने का प्रयास करेगी। थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि अशांति फैलाने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सामाजिक सद्भाव बनाए रखने वालों का सम्मान किया जाएगा, जबकि आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

कंधईपुर आयुष्मान मंदिर 6 माह बाद खुला, ग्रामीणों को मुफ्त दवाएं और जांच की सुविधा मिलेगी

भदैंया/सुल्तानपुर। भदैयां ब्लॉक स्थित कंधईपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर छह महीने बाद फिर से संचालित हो गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) बविता सिंह के मातृत्व अवकाश पर होने के कारण यह केंद्र बंद था, जिससे क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। केंद्र के दोबारा खुलने से ग्रामीणों में खुशी है। अब इस केंद्र पर रोजाना लगभग 15 से 20 मरीजों को मुत दवाएं दी जा रही हैं। इनमें खांसी, बुखार, गैस, बीपी, शुगर और कैल्शियम जैसी बीमारियों की दवाएं शामिल हैं। केंद्र सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रहता है। सीएचओ बविता सिंह ने बताया कि यहां केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुत इलाज के लिए कार्ड भी बनाए जा रहे हैं। इस स्वास्थ्य केंद्र का सबसे

अधिक लाभ महिलाओं और बच्चों को मिल रहा है। मंदिर के माध्यम से कुल 14 प्रकार की जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। इनमें हीमोग्लोबिन, गर्भावस्था की पुष्टि के लिए पेशाब की जांच, यूरिन ऐल्ब्यूमन एवं शुगर की जांच, डेंगू, मलेरिया, हेपेटाइटिस बी, टीबी, ब्लड शुगर, ग्रीवा मुख कैंसर, फाइलेरिया और खाने में नमक आयोडीन की जांच शामिल हैं। आयुष्मान मंदिर के पुनः संचालित होने पर .ष्णा दूबे, अनिल कुमार, सौरभ कुमार, कमलेश तिवारी और राहुल सरोज सहित कई ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की है। इसी बीच, केंद्र परिसर में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप के खराब होने की जानकारी मिली है।

पुलिस ने चलाया मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम, दी जानकारी

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर पुलिस ने महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में आयोजित किया गया। अभियान के तहत, सभी थानों की एंटी–रोमियो टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और विद्यालयों का दौरा किया। उन्होंने बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को मिशन शक्ति 5.0 के उद्देश्यों से अवगत कराया। इन कार्यक्रमों में महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम, उनके अधिकारों की रक्षा और आत्मरक्षा के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के साथ–साथ पोर्टल के बारे में बताया गया।

स्वर्णकार लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा- लूट के 10 लाख के आभूषण, अवैध असलहो के साथ 4 अभियुक्तगिरफ्तार

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में बीते दिनों स्वर्णकार के साथ हुई लूट की घटना का पुलिस टीम ने पर्दाफाश कर घटना में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लूट का माल अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये एवं अवैध असलहा बरामद किया है।

एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बीते 14 फरवरी की देर शाम नेबुआ नौरंगिया थाने पर सूचना प्राप्त हुई कि वादी, पीडित भीम वर्मा पुत्र श्रीनिवास वर्मा निवासी सेमरा, थाना नेबुआ नौरंगिया, अपनी दुकान अनीश ज्वेलर्स, देवतहा बाजार को बंद करके घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात कार सवार बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल में जान बूझकर टक्कर मार कर गिरा दिया और असलहे के दम पर उनके पास मौजूद सोने–चांदी के आभूषणों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना पर घटना को संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक केशव कुमार द्वारा थाना नेबुआ नौरंगिया पर मु0अ0स0 41ध्2026 पंजीकृत कराया गया तथा अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी खड्डा वीरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में घटना के शीघ्र अनावरण हेतु कुल 06 विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा घटना के सभी पहलुओं, सीसी टीवी फुटेज तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के माध्यम से गहन जांच की गई। जिसके क्रम में आज 19 फरवरी को स्वाट, नेबुआ नौरंगिया, खड्डा, जटहाँ बाजार, डायल 112 तथा साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा घटना का अनावरण करते हुए घटना में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। तथा उनके कब्जे से लूटे गये सोने व चांदी के आभूषण, नकद 5000 रूपये, अपराध में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल, 04 मोबाइल फोन व 08 अदद विभिन्न कम्पनियों के सिम तथा अभियुक्तों के पास से 01 अदद अवैध पिस्टल .32 बोर मय 05 अदद जिंदा कारतूस .32 बोर, व 02 अदद अवैध तमन्चा .315 बोर मय 05 अदद जिंदा कारतूस .315 बोर की बरामदगी किया गया। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे एक संगठित गिरोह के रूप में कार्य करते है।

एडीएम ने फार्मर रजिस्ट्री कैम्पों का आज दूसरे दिन भी किया निरीक्षण

कुशीनगर, (आरएनएस)। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा ने आज दिन जनपद के विभिन्न तहसीलों में संचालित फार्मर रजिस्ट्री कैम्पों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अधिक से अधिक किसान बन्धुओं को जागरूक करते हुए उनका समयबद्ध पंजीकरण सुनिश्चित कराना रहा। अपर जिलाधिकारी मिश्रा ने तहसील कप्तानगंज के अंतर्गत दिहुलिया मनिया छपरा, तहसील खड्डा के ग्राम भुजौली तथा तहसील पडरौना के बसहिया बनवीरपुर सहित अन्य स्थानों पर आयोजित कैम्पों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

समय सरिणी के अनुसार पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण करायें

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट्ध जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) डॉ0 दिनेश चन्द्र ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, द्वारा पूर्व में निर्गत अधिसूचना (संशोधन) 06 जनवरी को संशोधित करते हुए त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का समय सारणी के अनुसार वृहद् पुनरीक्षण कराये जाने हेतु कार्यक्रम जारी किया गया है:– 07 जनवरी, से 16 मार्च, तक दावेध्आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करना एवं सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापनध्निस्तारण की कार्यवाही करने की अवधि, 21 फरवरी, 2026 से 16 मार्च, 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हे मूल सूची में यथा स्थान समाहित करने एवं यथावश्यक मतदान केन्द्रोध्स्थलों के निर्धारण की कार्यवाही, 17 मार्च, 2026 से 13 अप्रैल, तक मतदाता सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि, 15 अप्रैल, 2026 निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0 लखनऊ के निदेशन एवं नियंत्रण में तैयार की जायेगी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के संशोधित पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जायेगा। निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सरिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

प्रशिक्षित कर बीएलओ से कार्य संपादित कराये

जौनपुर। जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में निर्वाचन कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित एईआरओ से लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज, नो मैपिंग, दस्तावेज सत्यापन, नोटिस निर्गतन इत्यादि के संदर्भ में जानकारी लेते हुए समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बीएलओ को प्रशिक्षित करते हुए ससमय कार्य संपादित कराया जाए। निर्वाचन का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

मेगा कैंप में डीएम का ऋण वितरण को निर्देश

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सीएम युवा उद्यमी विकास योजना और पीएम सूर्याघर योजना की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।जिलाधिकारी द्वारा बैंक प्रतिनिधियों से सीएम युवा उद्यमी विकास योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदन, ऋण वितरण और स्वीकृति की जानकारी ली गई। इस दौरान उन्होंने 20 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा कैंप में अधिक से अधिक आवेदन कराने तथा ऋण वितरण की प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन भी आवेदन में अपूर्ण दस्तावेज लगे हैं आवेदनकर्ता से संपर्क करते हुए आवेदन पूर्ण कराएं, अनावश्यक आवेदन रिजेक्ट ना किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा की तथा आवेदन बढ़ाने तथा अपेक्षित प्रगति के निर्देश दिए।

चयन वेतनमान न लगने से शिक्षक संघ नाराज

जौनपुर। जनपद में 72825 और 29334 तथा अन्य शिक्षकों की स्वीकृत चयन वेतनमान के बाद वेतन निर्धारण में गम्भीर अनियमितताओं का मामला संज्ञान में आया है, आरोप है कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद वित्त एवं लेखा अधिकारी जौनपुर के कार्यालय द्वारा प्रक्रिया में नियमों की घोर अनदेखी की जा रही है जिससे अनेक पात्र शिक्षक चयन वेतनमान के लाभ से वंचित रह गए हैं। बेसिक शिक्षा कार्यालय जौनपुर द्वारा सभी पात्र शिक्षकों के चयन वेतनमान की स्वीकृति का समय होने के बावजूद वित्त एवं लेखा अधिकारी कार्यालय द्वारा खंड शिक्षा अधिकारियों से परीक्षण हेतु ऑफलाइन सेवा पुस्तिका की मांग की गई है। जबकि अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा के पत्रक 403 एक्स राजस्व एवं बेसिक 2021 दिनांक 13 में 2021 तथा महानिदेशक स्कूल शिक्षा के पत्रांक 1177 8ध्202374 दिनांक 21 दिसंबर 2023 द्वारा यह स्पष्ट निर्देश दिया जा चुका है कि ऑफलाइन सेवा पुस्तिका की वैधता समाप्त की जा चुकी है और केवल मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन सेवा पुस्तिका ही मान्य होगी। इन आदेशों के बावजूद ऑफलाइन सेवा पुस्तिका की मांग को शासनादेशों का उल्लंघन माना जा रहा है कई ब्लॉकों द्वारा ऑफलाइन सेवा पुस्तिका प्रस्तुत भी कर दी गई इसके बाद कई ब्लाकों से यह शिकायत सामने आई कि सेवा पुस्तिका में चयन वेतनमान संबंधित फिक्सेशन के नाम पर धन मांगा जा रहा है वास्तव में यह ऑफलाइन प्रक्रिया पूरी तरह से शिक्षकों का शोषण करने एवं धन उगाही का मार्ग है।इस संबंध में संगठन द्वारा माननीय जिलाधिकारी जौनपुर बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं वित्त लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा को पत्र दिया जा चुका है यदि फरवरी माह में इन सभी शिक्षकों का जिनका चयन वेतनमान स्वीकृत हुआ है यदि वेतन के साथ नहीं जुड़ता है तो संगठन लेखा कार्यालय में एक बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसकी सारी जिम्मेदारी वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा की होगी।

पुलिस लाइन में 22 को होगा विधिक सेवा शिविर

जौनपुर। सिविल जज सी0डि0ध्सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर सुशील कुमार सिंह एवं जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में 22 फरवरी को मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार शशि के निर्देशानुसार तथा कार्यपालक अध्यक्षध्वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुमोदनोपरान्त आम जनता के विधिक सशक्तीकरण हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 22 फरवरी को मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाना है। 22 फरवरी को जनपद में भी विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन पुलिस लाइन में किया जाना है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 20 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता।20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट श्इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026श की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार–विमर्श करेंगे।राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट

2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। दुनियाभर के दिग्गजों के साथ–साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज़्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव–भाव देखने लायक है।इसका नाम श्ओरियनश बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश ने तैयार किया है। सरकारी चौनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर–शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई–पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है।विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पर्दाफाश कर रहा है। ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है।

सम्पादकीय

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है।

जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा।यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविधा तो है, लेकिन उच्च–तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है। इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है। इन्हें किसी देश में उत्पादक ढांचे के विकास का सबसे अहम हिस्सा माना गया है। ये रिपोर्ट एक आईना है, जिससे पता चलता है कि दुनिया विकास कथाओं को किन कसौटियों पर देख रही है। भारतवासियों को इसमें अपना चेहरा जरूर देखना चाहिए।

एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक डरा हुआ!

कितनी गजब बात है। क्या दुनिया के किसी देश, किसी संसद में ऐसा हुआ जो पहली बात सदन के नेता को स्पीकर बोले कि आपको भाषण नहीं देना है। और प्रधानमंत्री डर कर राष्ट्रपति अभिभाषण का भी धन्यवाद न करे! इससे भी बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड तो देश का प्रधानमंत्री चंद महिला सांसदों के शोर, उनके घेरने को अपने जीवन पर खतरा माने? राहुल गांधी से आंखे मिलाकर अपने समय के ही सेनापति की पुस्तक को लेने से घबराए! और इससे भी अधिक शर्मनाक की राज्यसभा में विपक्ष की खाली बेंचों के आगे प्रधानमंत्री दहाड़े। राहुल गांधी के खानदान के कोसे, उन्हें गांधी के नाम का चोर बताए। अपने समर्थकों की गली में दहाड़ना और विपक्ष से भरी गली से दुबकना, भागना तो वैश्विक ताकत याकि चीन के शी जिनपिंग और अमेरिका के ट्रंप के आगे या तो घिग्घी बंधना, जबरदस्ती गले लगना या मौन रहना, अपमान सहना! ओह! हिंदू राष्ट्र। भला क्यों 140 करोड़ लोगों का प्रधानमंत्री और एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक इतना डरा हुआ! फिर भी नगाड़ा मैं देश और हिंदुओं का रक्षक। मुझे ही विश्वास नही हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार फरवरी को लोकसभा में इसलिए भाषण नहीं दिया क्योंकि उनको लग रहा था कि कुछ अप्रत्याशित घटित हो सकता है। और अपने मुंह से सीधा नहीं बोला। स्पीकर ने बोला कि उन्हें जो जानकारी मिली थी उस आधार पर उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे चार फरवरी को शाम पांच बजे लोकसभा में भाषण देने नहीं आएं। सो, प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया और उनके भाषण के बगैर, उनकी गैरहाजिरी में लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण का धन्यवाद प्रस्ताव पास हुआ। भारत का नया रिकॉर्ड बना। सवाल है क्या स्पीकर को ऐसी सूचना मिली कि महिला सांसद या विपक्ष के दूसरे सांसद प्रधानमंत्री पर हमला कर सकते हैं? आखिर क्या अप्रत्याशित घट सकता था? इसकी निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। आखिर विपक्ष के चुने गए सांसदों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। अगर इसमें सचाई है तो जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए नहीं तो यह माना जाएगा कि सरकार विपक्ष के सांसदों की साख खराब करने की कोशिश कर रही है। सोचें, अगर प्रधानमंत्री भाषण देने आ जाते और उनको भाषण देने से रोक दिया जाता तो क्या हो जाता? जैसे राहुल गांधी 46 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे और नहीं बोल पाए वैसे प्रधानमंत्री भी नहीं बोल पाते। लेकिन वे लोकसभा में जाकर सदन का सामना करते तो उनकी 56 इंच की छाती प्रमाणित होती। वे तो इसकी बजाय लोकसभा छोड़ कर राज्यसभा में चले गए। वहां उन्होंने विपक्षी के वाकआउट के बीच डेढ़ घंटे तक भाषण दिया।

आखिर जातीय, धार्मिक व क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली लोकतांत्रिक प्रवृत्ति पर कैसे पाएंगे काबू?

कहना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है।दुनिया को श्वसुधैव कुटुम्बकमश का संदेश देने वाला जनतांत्रिक भारत आज जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाली श्ब्रितानीश व श्मुगलियाश सियासत के चक्रव्यूह में फंसा पड़ा है। इससे श्सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाश जैसी उसकी उदात्त सोच भी कठघरे में खड़ी प्रतीत हो रही है। यहां की प्रतिभाशाली और प्रभुत्ववाली सामान्य जातियों (सवर्णों) के खिलाफ देश में जो लक्षित पूर्वाग्रही राजनीति कथित दलित–ओबीसी नेताओं के द्वारा की जा रही है, उससे देश व समाज के सामने विभिन्न नैतिक व वैधानिक सवाल उठ खड़े हुए हैं! हैरत की बात है कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की जगह बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के नारे लगाए जाते हैं। कहीं जाति, कहीं धर्म और कहीं भाषा–क्षेत्र के नाम पर लोगों के उत्पीड़न हो रहे हैं। वहीं कहीं सामाजिक न्याय आधारित आरक्षण और साम्प्रदायिक सोच आधारित अल्पसंख्यकवाद के अव्यवहारिक पहलुओं को हवा देकर आमलोगों को उल्लू बनाया जा रहा है। आलम यह है कि ऐसे करने वाले नेता, उनके हमकदम मस्त हैं, जबकि आमलोग त्रस्त हैं। हद तो यह कि हमारे संविधान के संरक्षक अनर्गल दलीलें देकर मानवता की गला घोंट रहे हैं, जबकि यही प्रवृत्ति कतिपय संविधान निर्माताओं में भी दिखी थी। वहीं आज के कथित रखवाले जन्मांध श्धृतराष्ट्रश की भूमिका निभा रहे हैं।इनके जैसे ही नेताओं की खामोशी से जहां 1947 में साम्प्रदायिक विभाजन हुआ, वहीं इनके षडयंत्र से आजादी के बाद से ही जातीय, क्षेत्रीय व नवसंप्रदायिक विभाजन की प्रवृत्ति हावी होती दिख रही है, जो आज भी जारी है। ऐसे में एक और महाभारत छिड़ना तय है। पुनः विभाजन होना तय है। इतिहास साक्षी है कि जब कभी भी महाभारत होता है तो संख्याबल पर बुद्धिबल ही भारी पड़ती है और आगे भी यही होगा। हना न होगा कि कोई भी लोकतंत्र स्वतंत्रता, समानता व बन्धुत्व की बुनियाद पर मजबूत होता है, लेकिन जब बहुमत की सियासी शरारत शुरू हो जाए और वामपंथियों के वर्गवादी राजनीति को मात देने के लिए पूंजीवादी प्रभाव वश जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र की सियासत तेज हो जाए तो देर सबेर राष्ट्र राज्य का बिखरना तय होता है। इसलिए इनसे जुड़े राजनीतिक हथकंडों और उन्हें शह देने वाले संवैधानिक प्रावधानों को यदि समय रहते ही नहीं बदला गया तो बाद में इन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं होगा!ऐसा इसलिए कि जातिवादी कैंसर, सांप्रदायिक एड्स और क्षेत्रवादी तपेदिक (टीबी) से शांतिप्रिय व सहनशील भारतीय समाज सदियों से ग्रसित है, लेकिन बीती सदी में इन्हें एक कानूनी स्वरूप देकर स्थिति को जटिल चुनौती बना दी गई है। किसी समूह के इतिहास को साक्षी मानकर उनके वर्तमान को रौंदने की जो सियासी प्रवृत्ति भारत में हावी है, उससे सामान्य व कथित सवर्ण जातियों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए समावेशी संवैधानिक प्रावधानों, हिंसा–प्रतिहिंसा पर समान कानूनी सख्ती और सामाजिक जागरूकता के संयोजन से ही अब इस जटिल स्थिति से निबटना संभव है, लेकिन हमारी सियासी सोच इसके विपरीत है। वह आज भी विदेशी फूट डालो, शासन करो पर केंद्रित है। लिहाजा, कतिपय कानूनी उपाय अपेक्षित हैं। पहले चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए, तथा प्च्ब् की धारा 153। (समूहों के बीच शत्रुता फैलाना), 295। (धार्मिक भावनाएं ठेस पहुंचाना) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 123(3) के तहत तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही मौजूदा कानूनों को और सख्त बनाकर, जैसे नफरत भरी भाषा पर त्वरित गिरफ्तारी और पार्टी मान्यता रद्द करने का प्रावधान जोड़ना, ऐसे हथकंडों पर अंकुश लग सकता है।

लगे हाथ संस्थागत सुधार के लिए भी समवेत कदम उठाने होंगे। खासकर राजनीतिक दलों को टिकट वितरण और मंत्रिमंडल गठन में जाति–धर्म आधारित समीकरणों से ऊपर उठना होगा, जबकि चुनाव सुधारों के जरिए आंतरिक लोकतंत्र सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सोशल मीडिया पर घृणा फैलाने वाले एआई–जनरेटेड कंटेंट और प्रचार पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए, जैसा कि हालिया चुनावी दौर में देखा गया।वहीं, सामाजिक व शैक्षिक प्रयास से भी इस स्थिति से निबटा जा सकता है। विशेष कर शिक्षा प्रणाली में समावेशी पाठ्यक्रम लागू कर नई पीढ़ी को जाति–धर्म से ऊपर उठने की प्रेरणा दी जाए, तथा धर्मगुरुओंऔर सामाजिक नेताओं पर निगरानी रखी जाए। मतदाताओं को जागरूक अभियान चलाकर वोटिंग में योग्यता और नीतियों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विभाजनकारी रणनीतियां अप्रभावी हो जाएं।वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी दो टूक शब्दों में कहा है कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए।

शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव

अजीत द्विवेदी

यह संयोग नहीं है कि करीब तीन साल तक आधा दर्जन से ज्यादा पिछड़ी जाति के नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा करने के बाद भाजपा ने अगड़ी जाति के नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उसके बाद यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर ऐसा नियम पेश किया, जिसके खिलाफ पूरा सवर्ण समाज आंदोलित हुआ। यह भी संयोग नहीं है कि एक शंकराचार्य को माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान से रोका गया और 11 दिन के अनशन के बाद भी किसी ने अनशन समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया। उलटे शंकराचार्य की साख बिगाड़ने और उनके पट्टाभिषेक को विवादित साबित करने वाले काम हुए।

शंकराचार्य को मेला प्रशासन ने नोटिस देकर उनकी पदवी के बारे में सफाई मांगी और दूसरी नोटिस में उनको धमकाया कि जमीनें ले ली जाएंगी और सुविधाएं छीन ली जाएंगी। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी अगर हिंदू धर्म की धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा के शिखर पर बैठे चार में से एक शंकराचार्य को धमकी दे रही है तो वह अनायास नहीं हो सकता है।

संभव है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ रविवार, 18 जनवरी को जो घटना हुई वह अचानक हो गई हो। वे पालकी से स्नान के लिए जा रहे थे और भीड़ बहुत होने की वजह से उनको रोका गया हो। लेकिन उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है वह एक राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। ऐसा लग रहा है कि शंकराचार्य से पुरानी बातों और उनके बयानों का बदला लिया जा रहा है और उस पद के महत्व को हमेशा के लिए समाप्त किया जा रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके विवादित बयानों से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने पिछले साल प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ और लोगों की मौत को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी कठघरे में खड़ा किया था।

ध्यान रहे भारत में शंकराचार्य का पद कभी भी ईसाई धर्म के वेटिकन के पोप की तरह या इस्लाम धर्म के मौलानाओं, शाही इमामों या खलिफाओं की तरह नहीं रहा है। वे हिंदू धर्म के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं जारी करते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव रखने वाला हिंदू समाज भी उनके हिसाब से अपना जीवन चलाने के लिए बाध्य नहीं होता है। वे सनातन की आध्यत्मिक परंपरा के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत का जो सिद्धांत दिया वे उसका प्रतिनिधित्व करते हैं और भारत के एक राष्ट्र राज्य के तौर पर उभरने से पहले शंकराचार्य द्वारा निर्धारित की गई भौगोलिक सीमा के चारों कोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस लिहाज से उनका अपना महत्व है।

शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया।

तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए। हो सकता है कि इससे राजसत्ता में नाराजगी हुई हो। राजसत्ता ने धर्मसत्ता को अपने लिए चुनौती की तरह देखा हो और अविमुक्तेश्वरानंद के पुराने राजनीतिक बयानों को आधार बना कर उनके बहाने शंकराचार्य की समूची व्यवस्था की साख बिगाड़ने और उसका महत्व कम करने का प्रयास किया जा रहा हो।

यह भी हो सकता है कि प्रयागराज में माघ मेले में हुई घटना के बहाने सबक देने की कोशिश हुई हो ताकि आगे यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मसत्ता कभी भी राजसत्ता का विरोध न करे। शंकराचार्य इस बात को समझ रहे हैं तभी धीरे धीरे बाकी तीन शंकराचार्यों, द्वारिका की शारदा पीठ के सदानंद जी महाराज, पुरी की गोवर्धन पीठ के स्वामी निश्चलानंद जी महाराजा और शृंगेरी पीठ के स्वामी भारती तीर्थ जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। पहले अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक को लेकर कुछ संशय था तो उसे दरकिनार करके तीनों शंकराचार्य उनके समर्थन में उतरें हैं।

ध्यान रहे शंकराचार्य का चयन शंकराचार्य ही करते हैं। उसके बाद ज्यादा से ज्यादा यह होता है कि बाकी शंकराचार्य उसका समर्थन करें। इस लिहाज से अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति विवादित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उनके गुरू और शारदा पीठ व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उनकी नियुक्ति की थी। ज्योतिषपीठ विवाद में इसलिए फंसा क्योंकि स्वरूपानंद सरस्वती दो पीठों के शंकराचार्य थे। सवाल उठाया गया कि एक व्यक्ति दो पीठ का शंकराचार्य नहीं हो सकता है। इसी तरह से यह भी परंपरा है कि कोई भी पीठ खाली नहीं रहेगी। सो, अगर अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं माना जाए तो क्या तीन साल से ज्यादा समय से ज्योतिषपीठ खाली है?

बहरहाल, सरकार को इन तमाम बातों की जानकारी है। इसके बावजूद शंकराचार्य से जुड़े विवाद को बढ़ने दिया गया और उनको ससम्मान स्नान करा कर विदा करने और विवाद समाप्त करने की बजाय उनको धमकाया गया। सोचें, जो सरकार या जो पार्टी हत्या और बलात्कार के दोषी ठहराए गए या आरोपी बनाए गए कथावाचकों व कथित संतों को समस्त सुविधाएं देती हो वह एक शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव करे तो क्या इसे सामान्य घटना मान सकते हैं? असल में देश हजारों की संख्या में जो कथावाचक पैदा हुए हैं या कथित साधु, संत, बाबा, महामंडलेश्वर पैदा हुए हैं उनका स्वार्थ है। वे ज्यादा से ज्यादा शिष्य या श्रोता बनाने के लिए काम करते हैं और पैसे कमाने, राजनीति को प्रभावित कर सकने वाली हस्ती बनाने और तमाम भौतिक सुख सुविधाएं हासिल करने के लिए काम करते हैं। इनमें कुछ अपवाद भी होंगे लेकिन ज्यादातर ऐसे ही हैं। ऐसे लगभग सभी लोग भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करते हैं और दिन रात प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्रियों का गुणगान करते हैं। शंकराचार्य ये काम नहीं करते हैं और न कर सकते हैं। वे धर्म, आध्यात्म और समाज से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाते हैं, जिससे सरकार असहज होती है।

तभी अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने शंकराचार्य के पद की प्रतिष्ठा को समाप्त किया जा रहा है। उनकी जगह कथावाचकों व अनाप शनाप बयानबाजी करने और हिंदू मुस्लिम नैरेटिव को बढ़ाने का काम करने वाले कथित साधु संतों का महिमामंडन किया जा रहा है। एक बारीक बात यह है कि शंकराचार्य पारंपरिक रूप से ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह से यूजीसी के नए नियमों का मकसद पिछड़ी जातियों को एक संदेश देना है उसी तरह शंकराचार्य को टारगेट करके भी पिछड़ी जातियों को संदेश दिया जा रहा है कि सरकार पारंपरिक ब्राह्मणवादी व्यवस्था को समाप्त कर रही है।

असल में भाजपा को लग रहा है कि कांग्रेस, सपा, राजद जैसी विपक्षी पार्टियां श्जितनी आबादी, उतना हक्यश का नारा देकर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी आबादी को अपने साथ जोड़ रही हैं। विपक्ष का यह वोट अपनी ओर करने की दीर्घकालिक योजना के तहत भाजपा नए प्रयोग कर रही है। वह कुछ आगे बढ़ेगी और कुछ पीछे हटेगी लेकिन यह प्रयोग चलेगा। उसको लग रहा है कि अंत में सवर्ण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा कोई चारा नहीं होगा। इसलिए वह एससी, एसटी और ओबीसी वोट सुरक्षित करने का प्रयास कर रही है।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज का दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर थोड़े उलझन में रहेंगे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं जागृत होंगी।

वृष राशि
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दांपत्य रिश्ते में नई ताजगी महसूस करेंगे। आज पहले किये हुए किसी कार्य का लाभदायक परिणाम मिलाने से आपको खुशी होगी।

कर्क राशि–
आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आपकी सारी इच्छाएं पूरी होगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ शादी फिक्स हो सकती है।

सिंह राशि–
आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके मन में बहुत–सी सकारात्मक भावनाएं आयेंगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

कन्या राशि–
आज आपका दिन सुनहरे पल लेकर आया है। आज परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं। काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि–
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आपको किसी अपनों से धन की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी।

धनु राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के राजनीतिक नेताओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आप लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं। आज किसी कार्य में आ रही समस्याएं समाप्त हो जाने से कार्य तय समय पर पूरा हो जाएगा।

मकर राशि–
आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नये प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी।

मीन राशि–
आज का दिन कॉन्फिडेंस के साथ शुरू होगा। कार्यस्थल पर लोगों द्वारा प्राप्त हो रही जानकारी का इस्तेमाल अपने काम को बेहतरीन बनाने के लिए करने की आवश्यकता है।

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग पर लगेंगी डेकोरेटिव लाइट, रामपथ होगा जगमग

अयोध्या। निर्माणाधीन चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग प्रकाश से जगमगाएगा। योगी सरकार की ओर से इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक मार्ग पर करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से भव्य डेकोरेटिव लाइटिंग व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से यह परियोजना अयोध्या की आस्था को नया आयाम देने के साथ–साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। 14 कोसी परिक्रमा अयोध्या की सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है। यह मार्ग लगभग 40–45 किलोमीटर लंबा है, जो सरयू नदी के आसपास फैला हुआ है और राम भक्तों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।लाखों–करोड़ों राम भक्त यहां परिक्रमा करने आते हैं, खासकर कार्तिक मास में। इस समय मार्ग का चौड़ीकरण चल रहा है। फोर लेन सड़क बनाई जा रही है। अब नए मार्ग पर भव्य लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। बल्कि कई जगहों पर लगाई भी जा चुकी है। मीडियन में 1005 और फुटपाथ पर 2010 पोल्स पर डेकोरेटिव लाइट्स लगेंगी। कुल मिलाकर रामपथ व धर्मपथ जैसी व्यवस्था रहेगी।लोक निर्माण विभाग खंड 3 के अधिशासी अभियंता सत्य पाल सिंह ने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पूरी परिक्रमा मार्ग पर आधुनिक और आकर्षक डेकोरेटिव लाइट्स लगाई जा रही हैं। ये लाइट्स न केवल मार्ग की शोभा बढ़ाएंगी, बल्कि रात में भी परिक्रमा को सुगम और सुरक्षित बनाएंगी। डिजाइनर लाइटिंग से मार्ग दिव्य अनुभव प्रदान करेगा, जहां हर कदम पर भगवान राम की कृपा का एहसास होगा। यह परियोजना सौंदर्यीकरण के साथ सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। पहले रात में अंधेरे के कारण दुर्घटना या असुविधा की आशंका रहती थी, लेकिन अब एलईडी आधारित ऊर्जा–कुशल लाइट्स, सिस्टम से मार्ग पूरी तरह रोशन रहेगा। इससे श्रद्धालु बिना किसी भय के रात भर परिक्रमा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को वैश्विक स्तर की धार्मिक नगरी बनाने का संकल्प लिया है। राम मंदिर के साथ ही 14 कोसी परिक्रमा मार्ग का चौड़ीकरण, कुंडों का जीर्णोद्धार, फोर–लेन सड़कें, शौचालय, विश्राम स्थल और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इस लाइटिंग प्रोजेक्ट को इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। इससे अयोध्या न केवल धार्मिक केंद्र बनेगी, बल्कि पर्यटन का प्रमुख हब भी बनेगी। श्रद्धालु इस दिव्य प्रकाश व्यवस्था से अभिभूत हैं।

संघ स्वयंसेवक श्रीरामार्चनम से करेंगे रामलला की स्तुति

अयोध्या। फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी (22 फरवरी) के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में घोषवादन से प्रभु श्रीरामलला की स्तुति करेंगे। इसे श्रीरामार्चनम् नाम दिया गया है। महीनों के श्रम से विशेष रूप से प्रशिक्षित घोष दल के 100 वादक अयोध्या में मनोहारी घोषवादन व पथ संचलन करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार वेणु (बांसुरी), श्रृंग (स्वरद, तुर्य, नागांग, गौमुख) और शंख (बिगुल) पर अलग–अलग रागों और भिन्न–भिन्न अवसरों के अनुरूप रचनाओं का वादन होगा। कुछ रचनाएं स्थिर अवस्था में तथा शेष पथ संचलन (रूट मार्च) के साथ बजाई जाएंगी। एक वेश, समान लय–स्वर के साथ जब सौ से अधिक स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाते हुए अयोध्या के राम पथ पर निकलेंगे तो निश्चित ही अद्भुत और अविस्मरणीय दृश्य प्रस्तुत होगा।विवरण के अनुसार दिल्ली प्रांत के इस दल में वादकों की संख्या 100 है। पच्चीस स्वयंसेवकों के परिवार भी इस कार्यक्रम में रहेंगे। व्यवस्था से जुड़े कुछ कार्यकर्ता भी साथ रहेंगे। संघ परम्परा के अनुसार प्रत्येक स्वयंसेवक अपना व्यय स्वयं वहन कर रहा है। बीते दिनों आयोजन से जुड़े कुछ वरिष्ठ कार्यकर्ता अयोध्या आकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय से मिलकर आवश्यक अनुमति, सहमति ले चुके हैं।

तय कार्यक्रम के अनुसार स्वयंसेवक 21 फरवरी को प्रातः अयोध्या धाम पहुंचेंगे। पुण्य सरयू के पावन तट पर विक्रमी संवत 2082 फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी यानि 22 फरवरी को 3:15 बजे से घोष वादन प्रारंभ होगा। तत्पश्चात पथ संचलन के साथ वादन करते हुए स्वयंसेवक लता मंगेशकर चौक पहुंचेंगे। यहां स्वर सम्राज्ञी लता जी के साथ ही बलिदानी कारसेवकों को 3:35 से 3:55 तक रागमयी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद राम पथ से स्वयंसेवक 4:20 पर हनुमानगढ़ी पहुंचेंगे। 4:35 बजे तक घोष पर स्तुति वादन होगा। 5:15 बजे श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर पहुंचकर यह दल 5:15 से 6:15 बजे तक प्रदक्षिणा और स्थिर वादन करेगा। तत्पश्चात सभी संध्या आरती में सम्मिलित होकर प्रभु श्री रामलला का दर्शन करेंगे।

जन्मदिन पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सीएम योगी से की भेंट

अयोध्या। श्रीरामनगरी के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा सत्र के दौरान हुई इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विधायक ने मुख्यमंत्री को श्रीरामलला का प्रसाद भेंट कर आशीर्वाद साझा किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन की पीठ से विधायक को जन्मदिन की बधाई दी, जिस पर सदन में उपस्थित सदस्यों ने मेज थपथपाकर शुभकामनाएं व्यक्त कीं। जन्मदिन के अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों एवं विधायकों को भी श्रीरामलला का प्रसाद खिलाकर आभार जताया।मुख्यमंत्री से हुई भेंट के दौरान विधायक ने अयोध्या में तेजी से चल रहे विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामपथ, धर्मपथ, एयरपोर्ट विस्तार, घाटों के सौंदर्यीकरण, यातायात सुधार एवं आधारभूत संरचना से जुड़े अनेक प्रकल्प अंतिम चरण में हैं। विशेष रूप से शहर में बन रही नई सड़कों और ओवरब्रिज के शीघ्र संचालन प्रारंभ होने से यातायात पूर्णतः सुनियोजित होगा। इससे जाम की समस्या में कमी आएगी और आम नागरिकों के साथ–साथ श्रद्धालुओं व पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में अयोध्या निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है और आने वाले समय में यह आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री ने भी विकास कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

नालों से बिना उपचारित जल का प्रवाह नदियों में न होने पाए सीडीओ

अयोध्या। मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) प्रखर गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में गंगा एवं सहायक नदियों की स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा घाटों की नियमित सफाई व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि नालों से बिना उपचारित जल का प्रवाह नदियों में किसी भी स्थिति में न होने पाए तथा संबंधित विभाग नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत प्लास्टिक उन्मूलन, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, जैव–अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण तथा जन जागरूकता कार्यक्रमों को ग्राम स्तर तक संचालित करने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नगर निकायों को अभियान से जोड़ते हुए जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। सीडीओ महोदय ने निर्देश दिया कि नई नगर पंचायतों में एजेंसियों का टेंडर कर बायो मेडिकल कचरे का निस्तारण उचित तरीके से कराया जाए। वृक्षारोपण की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को रोपित पौधों के संरक्षण, जियो–टैगिंग एवं सर्वाइवल रेट बढ़ाने हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने को कहा गया। प्रत्येक विभाग को लक्ष्य निर्धारित कर समयबद्ध रोपण एवं उसकी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण एवं हरित क्षेत्र विस्तार शासन की प्राथमिकता है, अतः सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूरा करें।

बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में 82 हजार से अधिक मतदाताओं को भेजी गई नोटिस

सोहावल–अयोध्या। 6 मार्च तक बढ़ाये गये एस आई आर कार्यक्रम के तहत बीकापुर विधानसभा में 82 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजी गई है जिन्हें अपने साक्ष्य के रूप में प्रमाण पत्रों के साथ संबंधित अधिकारियों को नोटिस का जवाब देना है। जवाब न देने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची से अलग मान लिया जायेगा।

इसे लेकर तीन दिन पहले राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ निर्वाचन विभाग के अधिकारियों की हुई बैठक के बाद जो स्थिति सामने आई है। उसकी पुष्टि करते हुए समाजवादी पार्टी के विधानसभा प्रभारी एजाज अहमद कहते हैं कि निर्वाचन विभाग का काम बहुत ढीला है। पिछले 9 फरवरी तक 13158 मतदाताओं का नाम बढ़ाने के लिए प्रारूप छः भरा गया है। नाम काटे जाने वाले मतदाताओं की संख्या 431 सामने आई है। इस अवधि तक 4280 मतदाताओं ने अपने संशोधन के फार्म 8 भरे हैं। विधानसभा में किए गए प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत जांच पड़ताल के बाद लगभग 64 हजार मतदाताओं के नाम काटे जाने की बात सामने आई थी। तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बूथ के हिसाब से नोटिस पाने वाले मतदाताओं की समस्या समाधान के लिए अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। कार्य तेजी से चल रहा है। समय अवधि में पूरा कर लिया जायेगा।

निःशुल्क परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

अयोध्या। शहर में बांझपन से जूझ रहे दंपतियों के लिए राहत भरी पहल के तहत गंगा लक्ष्मी आईवीएफ फर्टिलिटी एंड आईवीएफ सेंटर द्वारा निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर का आयोजन बेनीगंज के एलआईसी ऑफिस के ठीक सामने अवधपुरी फेस –2 स्थित अवधपुरी हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर में किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित हुआ , जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को परामर्श और उपचार संबंधी जानकारी दी गई। शिविर में वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमुदिनी चौहान ने मरीजों की जांच किया। जिसमे आईवीएफ, आईयूआई, लैप्रोस्कोपी तथा स्त्री रोग संबंधी विभिन्न समस्याओं का उपचार यहां उपलब्ध रही। साथ ही बांझपन, हार्मोनल समस्याओं और असफल आईवीएफ मामलों पर भी विशेषज्ञ राय दी गई। कार्यक्रम में मरीजों को टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक, आधुनिक उपचार पद्धतियों और सफलता दर के बारे में विस्तार से जानकारी दी, ताकि जरूरतमंद दंपतियों को सही दिशा और समय पर इलाज मिल सके। शिविर का आयोजन अवधपुरी हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर की डॉक्टर वन्दना सिंह के द्वारा किया गया।

गोसाईगंज सीएचसी में जटिल दंत रोगों का नहीं हो पा रहा उपचार

गोसाईगंज–अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज में दंत उपचार की समुचित व्यवस्था न होने से क्षेत्रीय मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र पर चार वर्ष से अधिक समय से एमडीएस डिग्रीधारी दंत चिकित्सक की नियुक्ति होने के बावजूद डेंटल चेयर उपलब्ध न होने के कारण जटिल दंत रोगों का उपचार संभव नहीं हो पा रहा है। बताया जाता है कि पूर्व में उपलब्ध डेंटल चेयर पूरी तरह निष्प्रयोज्य हो चुकी है और उसे हटा दिया गया है। जिस स्थान पर चेयर स्थापित थी, वहां अब प्रयोगशाला संचालित की जा रही है। ऐसे में दांत उखाड़ना, रूट कैनाल उपचार (आरसीटी) और अन्य गंभीर प्रक्रियाएं यहां नहीं हो पा रही हैं। प्रतिदिन लगभग 10 से 15 मरीज दंत समस्या लेकर पहुंचते हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी जाती है, जबकि गंभीर मरीजों को जिला चिकित्सालय अयोध्या अथवा राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय रेफर कर दिया जाता है।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने पर जोर

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के सिधौना ग्राम पंचायत अंतर्गत खदरा गांव में बुधवार को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुनीत फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज के सामुदायिक विज्ञान महिला महाविद्यालय की डीन डॉ. साधना सिंह रहीं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को घर के पास छोटी–छोटी पोषण वाटिका विकसित करने के व्यावहारिक तरीके विस्तार से समझाए। उन्होंने बताया कि सीमित स्थान में भी मौसमी सब्जियां, हरी पत्तेदार साग, टमाटर, मिर्च, लौकी, तोरई जैसी सब्जियां उगाकर परिवार की दैनिक पोषण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। डॉ. साधना सिंह ने कहा कि पोषण वाटिका न केवल परिवार के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि अतिरिक्त उत्पादन होने पर महिलाएं उसे बेचकर आय भी अर्जित कर सकती हैं। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी और परिवार की आय में योगदान दे सकेंगी। उन्होंने जैविक खाद के उपयोग, बीज चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कीट नियंत्रण के सरल उपाय भी बताए। कार्यक्रम के दौरान 50 चयनित महिलाओं को पोषण वाटिका का मिनी किट वितरित किया गया, जिसमें विभिन्न सब्जियों के बीज और आवश्यक सामग्री शामिल थी। पुनीत फाउंडेशन के सचिव आकाश सिंह ने कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

समय के अनुरूप संगठन को गतिशील बनाना आवश्य मिथिलेश त्रिपाठी

-भाजपा की जिला स्तरीय प्रशिक्षण श्रृंखला 7 मार्च से, संगठन को धार देने की तैयारी

अयोध्या। संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्विति को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के मंडलों में 7 मार्च से 14 अप्रैल तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 में कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इसकी रूपरेखा तय करने के लिए पार्टी कार्यालय सहादतगंज सभागार में जिला पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की संरचना, विषय–वस्तु और जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि समय के अनुरूप संगठन को गतिशील और परिणामोन्मुख बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सतत प्रक्रिया है। कार्यशालाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीति, सिद्धांत और सरकार की उपलब्धियों की सम्यक जानकारी दी जाएगी, ताकि वे समाज के बीच तथ्यों के साथ संवाद स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि सशक्त बूथ ही मजबूत संगठन की आधारशिला है और यह प्रशिक्षण उसी दिशा में निर्णायक कदम है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि संगठन पर्व की प्रक्रिया के अंतर्गत सदस्यता और दायित्व निर्धारण के बाद अब प्रशिक्षण चरण प्रारंभ किया जा रहा है। प्रत्येक मंडल में सात विषय आधारित सत्र आयोजित होंगे, जिनमें संगठन की कार्यसंस्कृति, विस्तार योजना, डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग, सेवा गतिविधियां तथा आगामी चुनावी और सामाजिक कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मंडल स्तर तक वैचारिक स्पष्टता और कार्यकुशलता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रवासी कार्यकर्ता, मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी इन कार्यशालाओं में सक्रिय सहभागिता करेंगे, जिससे जिले में संगठन को नई गति और दिशा मिल सके। मौके पर अवधेश पाण्डेय बादल, ओम प्रकाश सिंह, कमला शंकर पाण्डेय, राघवेन्द्र पाण्डेय, राधेश्याम त्यागी, मनोज वर्मा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर सियासी घमासान तेज

-चुनाव आयोग भाजपा का एजेंट बनकर कर रहा काम- अवधेश प्रसाद

अयोध्या। जनपद में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सांसद अवधेश प्रसाद ने घोषणा की है कि वह 24 फरवरी को मिल्कीपुर तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन करेंगे। बुधवार को शाने अवध सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने चुनाव आयोग पर भाजपा का एजेंट बनकर काम करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है और तंज कसते हुए कहा कि यदि यही रवैया रहा तो चुनाव आयोग अपने कार्यालय पर भाजपा का झंडा लगा ले। अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर पीडीए वर्ग के मतदाताओं के वोट काटे जा रहे हैं। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में वोट की "डकैती" होने का भी दावा किया और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया।उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर मुद्दे पर अखिलेश यादव और राहुल गांधी की चुनाव आयोग से मुलाकात न होना चिंताजनक है। उनके अनुसार, विपक्ष की बात सुनने से आयोग का इंकार लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। अपने बयान में उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त मतदान अधिकारों का हवाला देते हुए कहा कि वोट का अधिकार संविधान की आत्मा है और किसी भी वर्ग के मताधिकार में कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी। वहीं, मोहन भागवत के एक बयान पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में उन्होंने टिप्पणी से इंकार करते हुए उसे उनकी निजी विचारधारा बताया। धरना–प्रदर्शन की घोषणा के बाद अयोध्या की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडे ने बताया कि प्रेस कांफ्रेंस के दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव,पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे, वरिष्ठ सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप,महानगर के निवर्तमान महासचिव हामिद जाफर मिशम,सपा नेता श्रीचंद यादव, सपा रितेश यादव, कुंवर बहादुर सिंह, यदुनाथ यादव भी मौजूद रहे।

प्रत्यूष त्रिपाठी ने जिले व क्षेत्र का नाम किया रोशन

सोहावल–अयोध्या। विकास खण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत करेरु की प्रधान सुषमा त्रिपाठी के पुत्र प्रत्यूष त्रिपाठी ने दूसरे प्रयास में जेईई मेंस की परीक्षा उत्तीर्ण की प्रधान प्रतिनिधि गिरिजेश त्रिपाठी बब्बू ने बताया कि प्रत्यूष शुरु से ही होनहार बालक था। अपनी लगन मेहनत व परिश्रम के बल पर कम संसाधन होते हुए भी जेईई मेंस की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर परिवार वा शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया लोगों ने प्रत्यूष को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने की शुभकामना दी प्रत्यूष ने हाई स्कूल एवं इंटर की परीक्षा कैंब्रियन स्कूल से पास की है। प्रत्यूष की सफलता पर विधायक बीकापुर डा0 अमित सिंह चौहान विधायक रुदौली रामचंद्र यादव भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडेय भाजपा नेता करुणाकर पाण्डेय डिप्पल पाण्डेय ब्लाक प्रमुख अनिल प्रियदर्शी प्रमुख प्रतिनिधि सर्वेश सिंह चौहान मंडल अध्यक्ष हर्ष सिंह प्रधान संघ अध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह विश्व विश्वेश नाथ मिश्र कप्तान तिवारी सुहावल अध्यक्ष अनुराग सिंह एवं शिवाकांत तिवारी प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष दुर्गेश मिश्रा ज्ञान स्वरूप सिंह प्रधान राजेश तिवारी मुन्ना मिश्रा प्रधान रानू दुबे प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीलमणि तिवारी व्यवसायी राकेश जयसवाल माही पंडित पूर्व प्रमुख राम अवतार यादव प्रधान नदीम मलिक अनुज मिश्रा शेखर सिंह बंटी तिवारी सुशील यादव कुलदीप शुक्ला संदीप मिश्रा अरुण तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष मंडल उपाध्यक्ष से अवनीव तिवारी अंकुर मिश्रा अमित मिश्रा तिवारी प्रधान रामचंद्र रावत मालेन्द्र तिवारी प्रधानाचार्य राम कृष्ण पाण्डेय पूर्व प्रधानाचार्य आलोक तिवारी पवन तिवारी एडवोकेट प्रधान मनोज सिंह सभासद आशीष सुनील तिवारी करुणाकर पांडे बब्बू चंद्रभान सिंह सदस्य जिला पंचायतशास्त्री श्रीवास्तव विजय प्रकाश दुबे सभापति संतोष शुक्ला पूर्व सभापति गौतम पांडे कप्तान सिंह अनिल फौजी अमरीश पांडे शैलेंद्र पांडे मोनू पत्रकार संतोष पांडे अदनान हैदर योगेंद्र सिंह फौजी कमलेश कुमार सिंह अविरल तिवारी प्रधान दुर्गा प्रसाद निषाद पिंकू यादव शरद पांडे प्रधान ऋषिकेश वर्मा प्रधान नीरज कनौजिया आदि लोगों ने बधाई दी।

सांसद ने ईएनटी चिकित्सा शिविर का किया शुभारम्भ

–चिकित्सा कैंप का आयोजन काबिले तारीफ – सीमा राय

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जयसवाल जिस तरह क्षेत्र वासियों की सेवा कर रही है,उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है वैसे तो मेरा संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती है,लेकिन जब भी मै अपने पैतृक आवास अंबेडकर नगर आता हूं,तो कही न कही आम लोगो द्वारा सभासद आरती जायसवाल द्वारा जनहित मे कराये गए विकास कार्यों की चर्चा हमारे कानो तक आ ही जाती हैं मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय मे वह दिन दूर नहीं–जब गोसाईगंज बाजार का बच्चा–बच्चा इनके कामों की चर्चा करता हुआ नजर आएगा। उक्त बातें गोसाईगंज कस्बे के तेलियागढ़ मेन रोड स्थित ओम मैरिज हाल मे गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जयसवाल की मांग पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाई गई एक दिवसीय निः शुल्क आई एवं ईएनटी चिकित्सा शिविर का फीता काटकर शुभारंभ करने के उपरांत मुख्य अतिथि के रूप मे श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने मौजूद लोगों से कही। इस अवसर पर सांसद श्री वर्मा सहित विशिष्ट अतिथि के रूप मे पधारे पूर्व विस प्रत्याशी राम सागर वर्मा,पूर्व चेयरमैन रमेश चंद्र कसौधन,गोसाईगंज कोतवाली प्रभारी शारदेंदु दुबे का समाजसेवी जगदीश कुमार जायसवाल, दिनेश कुमार जायसवाल, बजरंग समिति के अध्यक्ष अशोक मोदनवाल,भागवत कथा प्रवक्ता राधेश शास्त्री, योगेश कुमार गुप्ता, डॉ घनश्याम सोनी,प्रशांत गुप्ता, डॉ0 ए0 के0 तिवारी,अरुण गुप्ता,महादेव गुप्ता,प्रधान–शेखर वर्मा, मीडिया प्रभारी दिनेश जायसवाल सहित अन्य ने गर्म जोशी से माल्यार्पण एवं बैच लगाकर स्वागत किया। शिविर मे श्री राम अस्पताल के ईएनटी सर्जन डॉ विनोद कुमार, रुदौली सीएचसी के नेत्र चिकित्सक डॉ विनय कुमार, गोसाईगंज सीएचसी प्रभारी डॉ. राणा रवि प्रकाश,डॉ अरविन्द गौतम,फार्मासीस्ट वीरेंद्र कुमार,प्रदीप वर्मा,नेत्र परिक्षण अधिकारी आर.सी. यादव,वार्ड बॉय पवन वर्मा ने सैंकड़ो से अधिक मरीजों का परीक्षण कर दवा वितरित किया। अंत मे सभासद श्रीमती जायसवाल द्वारा पूर्व चेयरमैन रमेश चंद्र कसौधन,भाजपा नेता गुड्डू दुबे, ईओ सीमा रॉय को मोमेंटो देकर सम्मानित करने के साथ ही सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया गया।

अवध विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 को

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 20 व 21 फरवरी 2026 को "विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका" विषय पर द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह संगोष्ठी इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंसेज रिसर्च (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री गिरिशपति त्रिपाठी, महापौर, अयोध्या उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँगे। विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ बिजेंद्र सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणाली के विविध आयामों पर मंथन करते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करना है। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों एवं अकादमिक संस्थाओं से विद्वान, शोधार्थी, नीति–निर्माता एवं विद्यार्थी इसमें सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा के दार्शनिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय पक्षों पर व्यापक विचार–विमर्श किया जाएगा। तकनीकी सत्रों में शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे तथा समकालीन विकास मॉडल में पारंपरिक ज्ञान के समन्वय, आत्मनिर्भरता, नवाचार और सतत विकास की अवधारणा पर गहन चर्चा होगी। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माण का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी साकार होगा जब हम अपनी पारंपरिक बौद्धिक विरासत को आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति–निर्माण से जोड़ेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह संगोष्ठी युवा शोधार्थियों को अपनी जड़ों से जुड़ते हुए वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करेगी। आयोजकों के अनुसार, भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकृति के साथ संतुलन, नैतिक मूल्यों, लोककल्याण एवं सामाजिक समरसता पर आधारित है। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जब जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और सांस्कृतिक चुनौतियाँ सामने हैं, तब भारतीय परंपरा में निहित वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सिद्धांत विश्व को मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम की व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। आयोजकों को विश्वास है कि यह संगोष्ठी राष्ट्र निर्माण की दिशा में सार्थक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वर्ल्ड मास्टर्स शूटिंग प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले दो खिलाड़ियों को कमिश्नर ने किया सम्मानित

अयोध्या। वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स की शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन करने वाले अयोध्या के दो खिलाड़ियों डॉ डी आर भुवन व दीपक दुबे को मंडलायुक्त राजेश कुमार ने सम्मानित किया। मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. डी.आर. भुवन एवं अंतरराष्ट्रीय कोच दीपक दुबे को मॉडल पहना कर सम्मानित किया।उल्लेखनीय है कि दोनों खिलाड़ी अबू धाबी में आयोजित वर्ल्ड्स मास्टर्स शूटिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्वभर से हजारों खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें अयोध्या मंडल के इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डॉ डी आर भुवन ने एक पदक व दीपक दुबे ने तीन पदक अपनी–अपनी श्रेणी अर्जित किए। डॉ डी आर भुवन को अब तक 57 पदक प्राप्त हो चुके हैं, जिसमें तीन अंतरराष्ट्रीय पदक हैं जो की श्रीलंका अबू धाबी से प्राप्त किए गए,इस अवसर पर मंडलायुक्त राजेश कुमार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अयोध्या प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है।

20 व 21 फरवरी को वाहन कर समस्या के समाधान के लिए लगेगा परिवहन मेला

- बार-बार कर भुगतान की प्रक्रिया से राहत देना है उद्देश्य

चित्रकूट। जिले के वाहन स्वामियों के लिए एक बार पुनः सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। साढ़े सात टन तक सकल भार यान के कर समस्या समाधान के लिए दो दिन एआरटीओ कार्यालय में परिवहन मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान अधिक से अधिक वाहन स्वामियों से एक बार में ही कर जमा कर योजना का लाभ उठाने की अपील की गई है।

एआरटीओ राजीव कुमार ने बताया कि प्रदेश परिवहन विभाग ने परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए एकमुश्त कर प्रणाली लागू की है। इसके तहत परिवहन वाहनों व गैर परिवहन वाहनों पर एक बार में ही कर अदा करने की व्यवस्था शुरू की है। उन्होंने बताया कि भाड़े एवं पारिश्रमिक पर चलने वाले दो पहिया मोटर साइकिल यान के मूल्य का 12.5 फीसदी, तीन पहिया मोटर कैब यान के मूल्य का सात फीसदी, 10 लाख रुपए तक के मोटर कैब, तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 12.5 फीसदी कर देय होगा। इसी प्रकार निर्माण कार्य में लगे जेसीबी यान के मूल्य का छह फीसदी, माल वाहन तीन टन तक सकल भार यान के मूल्य का तीन फीसदी एवं तीन टन से अधिक लेकिन साढ़े सात टन तक सकल भार यान के मूल्य का छह फीसदी देना होगा। उन्होंने बताया कि पहले से रजिस्ट्री.त यानों पर एक बार कर पूर्व अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए ऐसे वाहनों पर प्रचलित एकमुश्त कर की धनराशि में आठ फीसदी की छूट देकर गणना की जाएगी, लेकिन यह छूट 75 फीसदी की धनराशि से अधिक नहीं होगी। बताया कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य वाहन स्वामियों को बार–बार कर भुगतान की प्रक्रिया से राहत देना है। एक बार कर जमा कराए जाने और वाहन स्वामियों की समस्याओं के समाधान के लिए 20 व 21 फरवरी को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में परिवहन मेला का आयोजन किया जा रहा है। अपने वाहन का एक बार में ही कर जमा कराकर छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए एआरटीओ ने वाहन स्वामियों से अपील की है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : भक्ति रस की गंगा में गोता लगाते रहे दर्शक

चित्रकूट। राष्ट्रीय रामायण मेला में सांस्कृति कार्यक्रम की शुरूआत रघुबीर यादव झांसी के सुमधुर बुन्देलखण्डी भाषा के भजनों से हुयी। रूपेश मिश्रा संस्कृतिक विभाग सिद्धार्थ नगर जीटीवी सिंगर व फिल्मी गीतों के प्ले बैक सिंगर ने अपने भजनों से दर्शकों को भक्ति रस की गंगा में गोता लगाने के लिये मजबूर कर दिया। भजनों के पूर्व श्री गणेश वन्दना, आजा–आजा गणपति आजा, लड्डुवन के भोग लगा जा की प्रस्तुति दी। बेला गुलाब जूही चम्पा गुलनारी, फूलों से सज रहे अवध बिहारी भजन ने भाव विभोर कर दिया। दर्शकों के बीच पहुच कर गाया सजा दो चित्रकूट को गुलशन सा मेरे प्रभु श्रीराम आये है। सुप्रसिद्ध कलाकार ने अपने मनोहारी भजनों से हजारो दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया और दर्शक झूमने और नाचने, थिरकने लगे। तालियों की गड़गड़ाहट से पंडाल गुंजायमान हो गया।डॉ अनु सिन्हा फाउन्डेशन फार कृष्ण कला एवं एजूकेशन सोसाइटी नोयडा के निर्देशन में सम्पूर्ण रामायण नृत्य नाटिका, ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से लगभग चालीस कलाकारो द्वारा, उत्कृष्ठ अदभुत प्रस्तुति दी गयी। कलाकारों के जीवंत अभिनय की भूरि–भूरि प्रशंसा की। रामायण मेला परिसर राममय, भक्तिमय हो गया। नृत्य नाटिका के सजीव चित्रण में श्रीराम जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक विभिन्न प्रसंगों का दिग्दर्शन कराया गया।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं शुरू

चित्रकूट। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। पहले दिन प्रथम पहर हाईस्कूल के हिंदी की परीक्षा में 656 छात्र, छात्राएं अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली इंटर में सामान्य हिन्दी के प्रश्न पत्र में 10958 पंजीकृत में 299 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। नोडल अधिकारी समेत जिले में बनाई गई उडनदस्ता टीमें लगातार जिले के 40 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। कई सेंटरों के सीसीटीवी बीच में कुछ देर के लिए बंद हुए तो इसे डीआईओएस के निर्देश पर जल्द ही सही करा लिया गया। जले के 26 हजार से अधिक यूपी बोर्ड के परीक्षार्थियों की परीक्षा बुधवार से शुरू हुई। 40 केंद्रों में सुबह से पहुंचे छात्र छात्राओं की गेट पर ही तलाशी लेकर शिक्षकों ने अंदर जाने दिया। डीआईओएस रविशंकर ने बताया कि प्रथम पाली हाईस्कूल के हिंदी के पेपर में कुल पंजीकृत 13497 छात्रों में 12841 ने परीक्षा दी। जबकि 656 अनुपस्थित रहे। नियंत्रण कक्ष से पता चला कि कुछ परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरे परीक्षा के दौरान लगभग एक घंटे तक खराब रहे। इसकी जानकारी होते ही केंद्र व्यवस्थापक को निर्देश भेजकर इसे परीक्षा काल में ही सही कराया गया। दूसरी पाली इंटर की परीक्षा में 299 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण के लिए मंकी हैंडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चित्रकूट। जनपद में बढ़ते मानव–वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने के उद्देश्य से बुधवार को ब्लॉक पहाड़ी के ग्राम प्रसिधपुर में बंदर नियंत्रण एवं मानव–वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण के लिए मंकी हैंडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कटियार ने बताया कि बंदरों की बढ़ती संख्या के कारण किसानों एवं ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान एवं दैनिक जीवन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए जनपद स्तर पर समन्वित कार्ययोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षित टीम तैयार की जा रही है। प्रशिक्षण में मथुरा से आए विशेषज्ञ मोहम्मद आरिफ ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि बंदरों से स्वयं की सुरक्षा कैसे की जाए, बिना नुकसान पहुंचाए उन्हें सुरक्षित रूप से कैसे पकड़ा जाए तथा नियंत्रण के व्यावहारिक उपाय क्या हैं। उन्होंने मौके पर लाइव प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि अन्य जनपदों से बंदरों को लाकर क्षेत्र के जंगलों में छोड़े जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इस पर प्रभागीय वनाधिकारी ने पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक रोकथामात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

बंदर नियंत्रण के लिए रेस्क्यू वैन की व्यवस्था हेतु जिलाधिकारी से समन्वय कर आवश्यक निर्णय लिए जाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही यह भी बताया गया कि वर्तमान में वन विभाग को बंदर नियंत्रण के लिए पृथक वित्तीय प्रावधान प्राप्त नहीं है तथा शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों की भूमिका इस दिशा में महत्वपूर्ण है। भविष्य की कार्ययोजना के अंतर्गत प्रत्येक चयनित ग्राम में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित "मंकी नियंत्रक" तैयार किए जाएंगे, जिससे कम लागत में समस्या का समाधान संभव होगा तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

रामायण मेला में 22 फरवरी को लगेगा मेगा विधिक एवं सेवा सहायता शिविर

चित्रकूट। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रथम अपर जिला जज नोडल अधिकारी वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर अनुराग कुरील की अध्यक्षता में बुधवार को डीएम सभाकक्ष में वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर से सम्बन्धित प्री–कैम्प का आयोजन किया गया।

शिविर में प्रथम अपर जिला जज अनुराग कुरील ने बताया कि जिले के नागरिकों के मूल हितों, अधिकार और उन्हे संचालित कल्याणकारी योजनाओं से पुष्ट करने के लिए 22 फरवरी को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में प्रशासन और न्याय पालिका के समन्वित प्रयास से हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं का स्टाल लगाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वंचितों, पीडितों, ह्यूमैन ट्रैफिकिंग से पीडितों, महिलाएं, बच्चे, अधापन, कुष्ठ रोगी, खानाबदोष, पहरापन, मंदबुद्धि, सामूहिक आपदा, जातीय हिंसा से पीडितों, वर्ग विशेष पर अत्याचार, औद्योगिक आपदा, किशोर अपराधी, निर्धन वर्ग, आधारकार्ड में सुधार, वंचितों की मूलभूत जरूरतो, उनके अधिकार और हितों की रक्षा व सुरक्षा तथा उनकी ज्वलंत समस्याओं का त्वरित निदान किया जायेगा। सिविल जज सी.डि. सचिन कुमार दीक्षित ने बताया कि वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में उत्तर प्रदेश की जन कल्याणकारी एवं जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध करायी जायेगी। शिविर के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में विधिक जानकारी एवं सहायता प्रदान की जायेगी। विशेष रूप से दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण लाभार्थियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिलाने तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं कमजोर वर्गों को आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त दन्त, नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य विधिक चेतना का प्रचार, जनहितकारी .ष्टिकोण को प्रोत्साहन तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से विधिक सेवाओं का वितरण आधारित मॉडल को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी द्वारा अवगत कराया गया कि शिविर में आने वाले आवेदक अपने साथ पहचान पत्र एवं सम्बन्धित योजना से जुडे आवश्यक दस्तावेज अवश्य लाए।

चूल्हे की चिंगारी से गृहस्थी राख

चित्रकूट। मानिकपुर थाना क्षेत्र के चूल्ही गांव में एक किसान के घर में मंगलवार की देर रात को आग लग गई। इससे परिजनों में अफरातफरी मच गई। किसी तरह परिजनों को बाहर निकाला गया लेकिन पांच लाख की संपत्ति राख हो गई। परिजनों के अनुसार चूल्हे की चिंगारी से आग लगने की संभावना है।

चूल्ही गांव निवासी सुदामा पुत्र धनराज ने बताया कि रात में वह खेत से लौटा और परिजनों के साथ खाना खाकर सभी लोग सोने चले गए। देर रात को चूल्हे की चिंगारी से उसके घर में आग लग गई। आग लगने के बाद जागे परिजनों में चीख पुकार मच गई। सभी परिजन जान बचाकर घर के बाहर पहुंचे। इसी बीच गांव के अन्य लोंगों ने मिलकर पांच घंटे में आग पर काबू पाया। किसान के अनुसार लगभग पांच लाख की गृहस्थी व अन्य सामग्री राख हो गई। इसमें जेवरात भी शामिल है।

जिलाधिकारी ने किसान दिवस में आए हुए कृषको की सुनी समस्याएं

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में विकास भवन के आडीटोरियम में किसान दिवस का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम उप कृषि निदेशक द्वारा गत किसान दिवस बैठक की आख्या से उपस्थित कृषकों को अवगत कराया गया। तदोपरान्त विकास खण्ड पहाड़ी के किसान शारदा प्रसाद मिश्र द्वारा फसल बीमा क्लेम के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि असमय हुयी वर्षा के कारण नुकसान फसलों का प्रतिपूर्ति अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। कंचन सिंह फौजी विकास खण्ड नरायनपुर द्वारा अवगत कराया गया कि चुनार तहसील अन्तर्गत ग्राम कुण्डाडिह, करहट, जादोपुर, बरईपुर, मकईपुर व अन्य गांव के किसानों की जमीन रेलवे में अधिग्रहण की जा चुकी है, और कुछ किसानों का पुनर्वास (5 लाख) और मुआवजे का भुगतान अभी नहीं हो पाया है। रेशू पटेल द्वारा अवगत कराया गया कि बगहीं से जलालपुर माफी के बीच की सड़क जो अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण द्वारा बनाया गया था। बाढ में ध्वस्त हो गया है, जिससे ग्रामवासीयों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दौलत सिंह, ग्राम नियामतपुर ने बताया कि जरगो जलाशय के अन्तर्गत बनइमिलियां एवं बहेरा के बीच लस्करीयां घाट पर बना हुआ रपटा जलाशय की धारक क्षमता 362 फिट किये जानें के कारण नाव का संचालन करना पड़ रहा है। वहां नये पुल का निर्माण कराया जाए। अनिल सिंह, द्वारा अवगत कराया गया है कि रामनगर से कंचनपुर मार्ग पर जिवनाथपुर के पास रेलवे ओभर बृज पर दोनों तरफ मिट्टी जमा होनें के कारण आने–जानें वाले लोगों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है, कृपया मिट्टी साफ करानें की कृपा करें।

श्री राममहाल सिंह, ग्राम नीबी देवरिया द्वारा अवगत कराया गया है कि अहरौरा ब्रांच के नीबी माइनर तृतीय के तीसरे फाल से ग्राम सभा देवरिया के लिए जो सिंचाई नाली गयी है, उसे पक्का कराया जाए। बैठक में विशाल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, विकेश कुमार, उप कृषि निदेशक, अधिशासी अभियंता नहर प्रखण्ड, अधिशासी अभियंता, सिरसी बांध, अधिशासी अभियंता, सिंचाई खण्ड चुनार एवं अन्य अधिकारी, कृषकगण उपस्थित रहे।

सरकार मनरेगा का सिर्फ नाम ही नहीं बदला बल्कि पूरा स्वरुप बदल निष्क्रिय कर दिया डाक्टर उदित राज

लालगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के पतुलकी गांव में स्थित पंचायत सचिवालय परिसर में पूर्व सांसद व कांग्रेस असंगठित कामगार कर्मचारी के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉक्टर उदित राज ने बुधवार को आयोजित मनरेगा बचाओ संग्राम सभा को संबोधित किया। कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा का सिर्फ नाम ही नहीं बदला बल्कि पूरा स्वरुप बदल कर कानून को निष्क्रिय कर दिया है। कहा कि जी राम जी योजना में ग्राम प्रधान अपने प्रस्ताव पर गांव में काम नहीं करता पाएगा। गांव में काम न मिलने पर युवाओं को फिर गुजरात जाना पड़ेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा बूथ स्तर पर चुनाव लड़ती है जबकि में सिर्फ नेता हैं कार्यकर्ता नहीं बचे हैं इसी लिए कांग्रेस पार्टी तड़प रही है। कहा कि केंद्र से भाजपा सरकार का विकल्प कांग्रेस ही हो सकती है। कहा कि सपा बसपा पार्टियां विकल्प नहीं बन सकती। मीडिया के बारे में कहा कि सोशल मीडिया मैनेजमेंट आवश्यक है, वर्तमान सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आरक्षण को कमजोर कर रही है और संविधान को बदल रही है। कहा कि भाजपा में मुझे राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव था रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हमारे घर आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका फाइनेंसियल व्यवस्था को तोड़ने लगा है वह चीन को भारत के खिलाफ खड़ा कर रहा है उन्होंने राहुल गांधी के बारे में कहा कि उन्होंने पहले जो भविष्यवाणी की थी सच साबित हुई, बताया कि किसान के तीन कानून के लिए कहा था की वापस लेना पड़ेगा और कोरोना के पहले कहा था कि सुनामी आएगी और चीन–पाकिस्तान के लिए जो कहा सच साबित हुआ। उन्होंने प्रियंका गांधी को राष्ट्रीय लीडर बताया। कहा कि मैं खुद अपने बूते पर संगठन खड़ा किया था और कांशीराम से बड़ी सभा किया था।

अंग्रेजी शराब की दुकान से नकदी व कैमरे चोरी

चित्रकूट। शहर के रेलवे स्टेशन के सामने स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान का ताला तोडकर चोरों ने तीन लाख की नकदी पार कर दी। चोरों ने कुछ शराब की बोतलें व सीसीटीवी कैमरा भी साथ ले गए हैं। पीडित सेल्समैन ने कोतवाली में तहरीर दी है। शराब की दुकान में चोरी की जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस टीम पहुंची और जांच पडताल कर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। स्थानीय कुलदीप पटेल ने बताया कि स्टेशन के सामने शराब की दुकान का सुबह ताला टूटा पडा था। सेल्समैन चंद्रप्रकाश जब दुकान खोलने आया तो ताला टूटा देख आसपास के लोगों से पूछताछ की। अंदर दुकान में जाकर देखा तो कई शराब की बोतले और सीसीटीवी कैमरा भी गायब मिला। सेल्समैन ने बताया कि रात को दिनभर की बिक्री के अलावा शराब लाने के लिए लगभग तीन लाख रूपये नकद काउंटर के बाक्स में रखे थे। वह भी चोर ले गए है। कोतवाल श्याम प्रताप पटेल ने बताया कि शराब की दुकान में चोरी होने की जानकारी मिली है। दुकान से संबधित लोगों पर ही पहला शक जा रहा है। जांच कर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

-आत्म सुख देती है भागवत कथा : नवलेश दीक्षित

चित्रकूट। भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। कथा व्यास ने कहा कि भागवत कथा आत्म सुख देती है।परिक्रमा मार्ग स्थित दधिमुख हनुमान मंदिर में चल रही भागवत कथा के पंचम दिवस पर आचार्य नवलेश दीक्षित ने नंदोत्सव की कथा सुनाया। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव पूरे ब्रह्मांड में मनाया गया। श्रीकृष्ण ने जन्म के समय से ही राक्षसों का नाश शुरू कर दिया। इस दौरान पंडाल में बैठे श्रोता नंदोत्सव की कथा सुन मंत्रमुग्ध रहे। कथा व्यास ने बताया कि बचपन सत्य से बीतेगा तो जवानी सुंदरम और बुढ़ापा अवश्य मंगलम में बीतेगा। जीवन में सब कुछ छूट जाए, लेकिन नामरूपी लीलाधाम नहीं छूटना चाहिए।

आरएसएस पदाधिकारी कर रहे पद का दुरुपयोग, जबरन स्वयसेवकों का करा रहे बीमा पॉलिसी

मीरजापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चुनार में एक विवादित मामला सामने आया है। यहां संघ के एक पदाधिकारी पर अपने पद और प्रभाव का अनुचित लाभ उठाते हुए स्वयंसेवक बंधुओं पर जबरदस्ती बीमा पॉलिसी लेने का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। कुछ पीड़ित स्वयंसेवकों का कहना है कि जिला कार्यवाह द्वारा संगठनात्मक बैठकों और व्यक्तिगत संपर्कों के दौरान उन्हें बीमा करवाने के लिए विवश किया जा रहा है। स्वयंसेवकों ने अपनी शिकायत में कहा कि संघ एक स्वैच्छिक सेवा संगठन है, जहां सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना सर्वोपरि होती है, लेकिन यहां पद की गरिमा को ताक पर रखकर इसे व्यावसायिक लाभ का जरिया बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिला कार्यवाह द्वारा स्वयंसेवकों को डरा–धमकाकर या भावनात्मक दबाव डालकर बीमा फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। कई स्वयंसेवकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बावजूद उन्हें प्रीमियम भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। स्वयंसेवकों के अनुसार, यह कृत्य संघ की रीति–नीति और अनुशासन के पूरी तरह विरुद्ध है। इस पूरे मामले में एक अन्य संघ प्रचारक की भी मिलीभगत होनी बताई गई है। स्वयंसेवक बंधुओं ने इस मामले को संघ के विभाग स्तर पे बताने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। खंड, जिला व विभाग के उच्च पदाधिकारियों ने विभाग, प्रांत व क्षेत्र स्तर के उच्च पदाधिकारीयों से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि इस प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई, तो इससे संगठन की छवि धूमिल होगी और निष्ठावान स्वयंसेवकों के मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

वित्तीय वर्ष में वित्तमान के निर्धारण के लिए की गयी बैठक आयोजित

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वित्तीय वर्ष–2026–27 में वित्तमान के निर्धारण (स्केल ऑफ फाइनेंस) के लिए बैठक आयोजित की गयी। सदस्य सचिव डा अवधेश कुमार यादव जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष–2026–27 हेतु कृषि के अलावा उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग तथा रेशम विभाग से प्रस्ताव प्राप्त किये गये है। जिला स्तरीय तकनीकी समिति के अनुमोदन के उपरान्त निर्धारित वित्तमान का उपयोग शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की क्षतिपूर्ति, प्रिमीयम का निर्धारण तथा कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा का निर्धारण में किया जायेगा। बैठक में कृषि विभाग से 15 फसलों का, उद्यान विभाग से 6 औधानिक फसलों का, पशुपालन विभाग द्वारा बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं दुग्ध उत्पादन, रेशम विभाग द्वारा रेशम उत्पादन एवं मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन में आने वाले व्यय तथा विभाग में चलने वाली योजनाओं पर चर्चा हुई तथा जिला स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा निर्धारित वित्तमान का अनुमोदन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जनपद में बकरी पालन, भेड़ पालन तथा सुअर पालन की व्यापक सम्भावना है। इसके लिये कृषकों को नियमित रूप से योजना से अवगत कराते हुये प्रोत्साहित करते रहें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के कृषक अपने परम्परागत कृषि के अतिरिक्त डायवर्सीफाइड कृषि जैसे रेशम पालन, मछली पालन, मुधामक्खी पालन तथा राजगढ़ क्षेत्र में ड्रेगन फुट एवं खजूर की खेती, पशु पालन, भेड पालन इत्यादि पर जोर दे।

कृषि आधारित जलवायु परिवर्तन पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

चित्रकूट। कर्वी विकासखंड अंतर्गत अकबरपुर सचिवालय में बुधवार को विकास पथ सेवा संस्थान की ओर से .षि आधारित जलवायु परिवर्तन एवं पृथ्वी रक्षा यंत्रा के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व अतर्रा डिग्री कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शंभू सिंह चंदेल ने की। मुख्य वक्ता डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज .षि क्षेत्र के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है। यदि समय रहते प्रा.तिक संसाधनों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने जल संरक्षण, जैविक खेती, फसल विविधीकरण तथा स्थानीय बीजों के संरक्षण को अपनाने पर जोर दिया। अध्यक्षता कर रहे शंभू सिंह चंदेल ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल सरकार या किसी एक संस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि वे जल संरक्षण, अधिक से अधिक वृक्षारोपण और प्रा.तिक खेती को अपनाकर अपने गांव को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उदाहरण बनाएं। संस्थान के कार्यकर्ता वंश गोपाल ने वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण, गोआधारित .षि पद्धति तथा रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग जैसे व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से पृथ्वी संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।

आसनों के साथ किया सूर्यनमस्कार का अभ्यास

मीरजापुर। युवा भारत की ओर से नगर के गणेशगंज स्थित केबी पीजी कॉलेज के बीएड विभाग में पांच दिवसीय निशुल्क योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन दिन युवा भारत के सह राज्य प्रभारी राष्ट्रीय योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने बीएड अभ्यर्थियों को खड़े होकर करने वाले आसनों के साथ साथ सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराया। योग गुरु ने पहले अभ्यर्थियों को पहले ताड़ासन ऊर्ध्वताड़ासन, त्रिकोणासन, कोणासन वृक्षासन जैसे आसनों के साथ साथ सूर्य लनमस्कार के बारह अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले लाभ के बारे में पूर्णरूप से जाकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हर मनुष्य के पास समय का अभाव है, लेकिन अगर हर दस से पन्द्रह मिनट का समय निकालकर पांच से सात आवृत्ति नियमित रूप से सूर्यनमस्कार का अभ्यास करें तो भी मनुष्य के शरीर का सर्वांगीण विकास हो सकता है तथा इसके अभ्यास से योग अभ्यासी का शरीर हृष्ट पुष्ट बलिष्ठ व मजबूत होता है इसके अभ्यास से, मनुष्य शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। अतः हर किसी को रोज थोड़ा समय निकालकर इसका अभ्यास अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर स्काउट वाराणसी मंडल के श्रीमोहन शुक्ला ने कहा कि योग मनुष्य को के स्वास्थ्य प्रदान ही, नहीं करता अपितु समाज के हर अच्छे बुरे विषयों से भी परिचित कराता है, जो मनुष्य के जीवन में संतुलन बनाने का कार्य करता है।

मनमानी सहायक आयुक्तएवं सहायक निबंधक के आदेश के बाद भी सचिव ने नहीं लिया चाज

हलिया, मीरजापुर। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अमित कुमार पाण्डेय ने बी पैक्स रामपुर खोमरमैना के सचिव रणजीत कुमार सिंह का स्थानांतरण बी पैक्स भटवारी दिघिया विकास खंड हलिया पर किया, लेकिन स्थानांतरण के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी सचिव बी पैक्स भटवारी दिघिया का चार्ज नहीं लिया है जबकि बी पैक्स भटवारी दिघिया के सचिव रमाकांत मौर्य बी पैक्स रामपुर खोमरमैना पर पहुंचकर चार्ज ले लिया है बी पैक्स रामपुर खोमरमैना के सचिव को खाद को सरकारी दाम से अधिक दाम में बेचने और रात में बिचौलियों से धान खरीद का सचिव पर किसानों ने आरोप लगाया था जिस पर जिलाधिकारी मिर्जापुर पवन कुमार गंगवार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रामपुर खोमरमैना बी पैक्स के सचिव रणजीत सिंह को बी पैक्स भटवारी दिघिया व बी पैक्स भटवारी दिघिया के सचिव रमाकांत मौर्य को रामपुर खोमरमैना का सचिव के पद पर स्थानांतरण किया है।

प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर आनन्द रिसार्ट में हुई बैठक

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्याशाला आनन्द रिसार्ट सीतापुर में जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य की अध्यक्षता व कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व प्रभारी अनिल यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।कार्यशाला की रुपरेखा बताते हुए संयोजक दिनेश तिवारी ने बताया कि सर्वप्रथम सभी उपस्थित पदाधिकारी, कार्यकर्ताओ का रजिस्ट्रेशन होगा। इसके पश्चात पार्टी के महापुरुषों का माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन से उद्घाटन सत्र होगा। तत्पश्चात मुख्य अतिथि का उद्बोधन एवं भोजन सत्र के बाद विधानसभावार बैठक में मंडलों में होने वाले प्रशिक्षण वर्ग की रुपरेखा तैयार की जायेगी। जिला प्रभारी अनिल यादव ने कहा कि प्रशिक्षण संगठन की सतत प्रक्रिया है

टीम इण्डिया की स्पीन कमजोरी पर शिवम दूबे का बड़ा बयान, कहा- यह बस एक शाट की बात है

टी20 विश्व कप में नीदरलैंड्स पर भारत की जीत के हीरो शिवम दुबे ने ऑफ–स्पिन

के खिलाफ टीम की कमजोरी की बातों को खारिज किया, लेकिन आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। दुबे के श्मैन ऑफ द मैचश प्रदर्शन के बावजूद, टूर्नामेंट में पाकिस्तान और नामीबिया जैसे प्रतिद्वंद्वियों के स्पिनरों के सामने भारतीय बल्लेबाजों का संघर्ष चिंता का विषय बना हुआ है। आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल ग्रुप स्टेज मुकाबले में नीदरलैंड्स पर अपनी टीम की जीत के बाद, भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कहा कि टीम में ऑफ–स्पिन गेंदबाजी से निपटने में किसी भी समस्या के बारे में कोई चर्चा नहीं है। दुबे की विस्फोटक 31 गेंदों में खेली गई 66 रनों की पारी और उनके दो विकेटों ने उन्हें अहमदाबाद में नीदरलैंड्स पर 17 रनों की जीत में श्मैन ऑफ द मैचश का पुरस्कार दिलाया और यह प्रदर्शन दुबे के लिए संकट प्रबंधन का एक और उदाहरण था। जब वह 14वें ओवर में 110/4 के स्कोर पर बल्लेबाजी करने आए, तो उनकी टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत थी और उनकी इस पारी ने टीम को 190 रनों के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।आर्यन दत्त (चार ओवर में 2द्19) की ऑफ–स्पिन चुनौती का सामना करने के बारे में बात करते हुए, जो पिछले मैचों में इकॉनमी रेट के मामले में अब तक के सर्वश्रेष्ठ डच गेंदबाज रहे हैं, और अन्य ऑफ–स्पिनरों के बारे में बात करते हुए, दुबे ने मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस बारे में कोई बात नहीं है क्योंकि कई बार बल्लेबाज कुछ गेंदों को हिट नहीं कर पाते हैं। यह सिर्फ उस एक शॉट की बात है और जब वह शॉट लग जाएगा, तो आने वाले मैचों में ऑफ–स्पिन के बारे में कोई बात नहीं होगी।टूर्नामेंट में अब तक स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन थोड़ा निराशाजनक रहा है। अमेरिका के खिलाफ स्पिन गेंदबाजों के सामने आठ ओवर में 42 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद, नामीबिया के खिलाफ आठ ओवर में 61 रन पर पांच विकेट गिर गए। इन मैचों में स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ रन रेट क्रमशः 5.25 और 7.6 रहा। नामीबिया के खिलाफ हुए मैच में ऑफ स्पिनर जेराल्ड इरास्मस (4/20) ने अपने चार ओवरों में शानदार गेंदबाजी की।पाकिस्तान के खिलाफ स्पिन गेंदबाजों के पूरे 18 ओवर फेंके गए और भारत इन ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर केवल 144 रन ही बना सका। यहां रन रेट थोड़ा बेहतर रहा, आठ रन प्रति ओवर। कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के इस मुकाबले में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा (दो ओवर में 1द्10) ने अभिषेक शर्मा का अहम विकेट लिया, जबकि साइम अयूब (चार ओवर में 3द्25) और उस्मान तारिक (1द्24) ने भारत को अच्छी तरह से नियंत्रित किया। तारिक की विवादास्पद साइडआर्म गेंदबाजी के सामने, जिसमें एक्शन को रोक दिया जाता था, भारत चार ओवरों में सिर्फ दो चौके ही लगा सका। नीदरलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में भारतीय टीम ने स्पिन गेंदबाजी के सामने आठ ओवरों में 70 रन बनाए और दो विकेट भी गंवाए। उनका रन रेट 8.75 रहा, जो अब तक का उनका सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

शेयर बाजार में तंबाकू कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी देखी गइ

शेयर बाजार में तंबाकू कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी देखी गई, क्योंकि सिगरेट की कीमतों में बढ़ोतरी की खबर से गॉडफ्रे फिलिप्स 20: के अपर सर्किट पर पहुंच गया। निवेशक इस कदम को उत्पाद शुल्क में बदलाव के बाद कंपनी के मुनाफे पर पड़ने वाले नकारात्मक असर को कम करने के एक प्रभावी तरीके के रूप में देख रहे हैं।शेयर बाजार में तंबाकू कंपनियों के शेयरों में अचानक तेजी देखने को मिली। सिगरेट बनाने वाली प्रमुख कंपनियों आईटीसी लिमिटेड, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड और वीएसटी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में 20 प्रतिशत तक की उछाल दर्ज की गई। बाजार में यह तेजी मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आई, जिनमें कहा गया कि कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का असर उपभोक्ताओं पर डालने के लिए कीमतों में इजाफा किया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार हाल ही में केंद्र सरकार ने सिगरेट पर उत्पाद शुल्क ढांचे में बदलाव और जीएसटी है।

टी 20वर्डकप के बीच श्रीलंका को बड़ा झटका, गेंदबाज मथीशा पथिराना पिंडलीं टूर्नामिंट से बाहर

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना पिंडली में खिंचाव के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जो टीम के लिए एक बड़ा झटका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चोटिल हुए पथिराना की जगह अब टीम प्रबंधन दिलशान मदुशंका या नुवान थुशारा जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है।श्रीलंका के लिए एक बड़ा झटका है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, उनके स्टार तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना पिंडली में खिंचाव के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। पथिराना 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अपने बाएं पैर को पकड़कर

गिर पड़े थे। मैच की चौथी गेंद फेंकने के बाद गिरते ही पथिराना दर्द से कराह रहे थे। उन्होंने आगे गेंदबाजी नहीं की और मैदान छोड़ दिया। वहीं, ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट में बताया गया है कि स्कैन से पिंडली में खिंचाव का पता चला है, जिसे ठीक होने में कई सप्ताह लग सकते हैं, और ऐसा लगता है कि विश्व कप में उनकी भागीदारी लगभग खत्म हो चुकी है। हालांकि, फिलहाल आईपीएल में उनकी भागीदारी खतरे में नहीं है।इस बीच, श्रीलंका के बल्लेबाजी सलाहकार और पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लीग चरण के आखिरी मैच से पहले चोट की गंभीरता की पुष्टि की है। राठौर ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अगर वह बाहर हो जाते हैं तो इसकी खबर जल्द ही आ जाएगी। जहां तक घ्उनके विकल्प की बात है, इस पर अभी भी चर्चा चल रही है। हालांकि, श्रीलंका के पास कुछ विकल्प मौजूद हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका और बिनुरा फर्नांडो इनमें से हैं, वहीं श्रीलंका तेज गेंदबाज नुवान थुशारा को भी टीम में शामिल कर सकता है। टीम प्रबंधन बल्लेबाजी में नए खिलाड़ियों और स्पिन गेंदबाजी के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।पथुम निसांका की नाबाद शतकीय पारी के बूते श्रीलंका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। निसांका की 52 गेंद में नाबाद 100 रन की पारी से श्रीलंका ने जीत के लिए मिले रिकॉर्ड 182 रन के लक्ष्य को 18 ओवर में दो विकेट गंवाकर आसानी से हासिल कर लिया। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और पांच छक्के लगाने के अलावा दूसरे विकेट के लिए कुसल मेंडिस (38 गेंद में 51) के साथ 66 गेंद में 97 जबकि पवन रथनायके (15 गेंद में नाबाद 28) के साथ तीसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 79 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिला दी। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया की सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदें अधर में लटक गई हैं। अब उसे अपने अंतिम मैच में ओमान के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी और बेहतर नेट रन रेट के लिए अन्य परिणामों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

वेस्ट इंडीज के छुड़ाए पसीने, इटली ने 42 रन से हारकर भी दिखाया दम

टी20 विश्व कप में वेस्ट इंडीज ने कोलकाता में इटली को 42 रनों से हराकर सुपर 8 में अजेय रहते हुए प्रवेश किया। कप्तान शाई होप के शानदार 75 रनों की बदौलत वेस्ट इंडीज ने 165द्6 का स्कोर बनाया, जिसके जवाब में शमर जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड की घातक गेंदबाजी के सामने इटली 123 रनों पर सिमट गई।वेस्ट इंडीज ने गुरुवार को प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में नवोदित टीम इटली पर 42 रनों की शानदार जीत के साथ 2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के समूह चरण में शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ, वेस्ट इंडीज भारत और दक्षिण अफ्रीका के बाद समूह चरण के सभी मैच जीतने वाली तीसरी टीम बन गई और सुपर 8 में बिना किसी हार के प्रवेश कर गई। दो बार की चौंपियन टीम इस मैच में प्रबल दावेदार थी, लेकिन जुझारू इटली टीम ने सुनिश्चित किया कि कैरेबियन दिग्गज टीम को ग्रुप सी के अपने अंतिम मुकाबले

में पहले बल्लेबाजी करते हुए हर रन के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़े।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने पर, वेस्ट इंडीज को स्पिनरों को मदद देने वाली पिच पर संघर्ष करना पड़ा। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग मात्र 4 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए, और शिमरोन हेटमायर (1) भी कुछ ही देर बाद पवेलियन लौट गए, जिससे पावरप्ले में वेस्ट इंडीज की टीम लड़खड़ा गई। हालांकि, कप्तान शाई होप ने पारी को संभालने में अहम भूमिका निभाई। होप ने शानदार पारी खेलते हुए सावधानी और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन बनाए रखा और 46 गेंदों में 75 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर बनाया, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे। रोस्टन चेज (24) और शेरफेन रदरफोर्ड (24′) और मैथ्यू फोर्ड (16′) ने भी उनका बखूबी साथ दिया, जिससे वेस्ट इंडीज ने अंततः अपने 20 ओवरों में 165द्6 का स्कोर खड़ा किया।इटली के लिए, क्रिशन कालूगामेज गेंदबाजी में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने होप का महत्वपूर्ण विकेट लिया और 4 ओवरों में 2द्25 के अनुशासित आंकड़े दर्ज किए। 166 रनों का पीछा करते हुए, इटली ने जस्टिन मोस्का का विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन एंथनी मोस्का ने अकील हुसैन को दो छक्के लगाकर वेस्ट इंडीज को कुछ देर के लिए चुनौती दी। हालांकि, वह उसी ओवर में हुसैन के हाथों आउट हो गए।बीच के ओवरों में गुडाकेश मोती ने खतरनाक गेंदबाज जेजे स्मट्स (24) को आउट करके और बाद में बेन मैनेंटी (26) को पवेलियन भेजकर इटली की लय तोड़ दी। जैसे–जैसे आवश्यक रन रेट बढ़ता गया, शमर जोसेफ (4 ओवर में 4द्30) और मैथ्यू फोर्ड (4 ओवर में 3द्19) के दबाव में इटली का मध्यक्रम लड़खड़ा गया। आखिरकार इटली 18 ओवरों में 123 रन पर ऑल आउट हो गई। हार के बावजूद, इटली दुनिया की सबसे मजबूत टी20 टीमों में से एक के खिलाफ कड़ी टक्कर देने के बावजूद अपना मनोबल ऊंचा रखने की कोशिश करेगी।

अंडर-19 क्रिकेट पर बहस, डब्ल्यूवी रमन ने उठाए सवाल

अंडर–19 विश्व कप के बीच, डब्ल्यूवी रमन की टिप्पणी ने वैभव सूर्यवंशी के करियर पथ पर एक विश्लेषणात्मक चर्चा शुरू कर दी है, जिसमें पूछा गया है कि क्या असाधारण युवा प्रतिभाओं को पारंपरिक आयु–वर्ग क्रिकेट से आगे बढ़ना चाहिए। 14 साल की उम्र में आईपीएल में रिकॉर्ड बना चुके वैभव का मामला भारतीय क्रिकेट की भविष्य और वर्तमान के बीच संतुलन बनाने की नीति पर प्रकाश डालता है। देश के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के करियर पाथ को लेकर सवाल उठे हैं, जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने अंडर–19 क्रिकेट खेलने को लेकर अपनी असहमति जाहिर की है।बता दें कि सोशल मीडिया पर अपनी राय रखते हुए डब्ल्यूवी रमन ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी इस स्तर से कहीं आगे निकल चुके हैं और अंडर–19 क्रिकेट उन्हें फायदा पहुंचाने के बजाय उनके विकास की रफ्तार ध्ीमी कर सकता है। रमन के मुताबिक, भले ही वैभव जूनियर स्तर पर मैच जिता दें, लेकिन

क्रिकेट में फैसले हमेशा लंबी अवध्ि को ध्यान में रखकर लेने चाहिए।

गौरतलब है कि यह चर्चा ऐसे समय में सामने आई है, जब आईसीसी अंडर–19 विश्व कप की शुरुआत हो चुकी है। मौजूदा चौंपियन ऑस्ट्रेलिया अपने खिताब की रक्षा में उतरा है, जबकि पांच बार की विजेता भारत एक बार फिर मजबूत दावेदार माना जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस भारतीय टीम में वैभव सूर्यवंशी को अहम भूमिका निभाने वाला खिलाड़ी माना जा रहा है।महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी का सफर पारंपरिक नहीं रहा है। उन्होंने न सिर्फ भारत–ए टीम के लिए खेला है, बल्कि आईपीएल में भी अपनी प्रतिभा से सभी को चौंकाया है। बता दें कि उन्हें 13 वर्ष की उम्र में राजस्थान रॉयल ने चुना था और अपने पहले ही आईपीएल सीजन में उन्होंने 200 से अधिक स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए थे। इसी दौरान उनका रिकॉर्ड शतक क्रिकेट जगत में काफी चर्चा में रहा।उम्र–समूह क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है। अंडर–19 एशिया कप में उन्होंने यूएई के खिलाफ 171 रन बनाए और फिर दक्षिण अफ्रीका अंडर–19 के खिलाफ शतक जड़ा है। विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में 96 रन की तेज पारी ने भी उनके आक्रामक खेल की झलक दिखाई है।हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि अंडर–19 स्तर पर खेलना सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे खिलाड़ियों को अनुशासन, नेतृत्व और दबाव में खेलने का अनुभव मिलता है। वहीं रमन की टिप्पणी ने यह बहस फिर से छेड़ दी है कि क्या असाधारण प्रतिभाओं के लिए पारंपरिक रास्ते से हटकर अलग विकास योजना बननी चाहिए।

जैसे–जैसे अंडर–19 विश्व कप आगे बढ़ेगा, वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन पर न सिर्फ नतीजों के लिहाज से नजर रहेगी, बल्कि इस बात पर भी कि भारतीय क्रिकेट भविष्य और वर्तमान के बीच संतुलन कैसे बनाता है।

साहिबजादा फरहान के बयान पर भड़के बासित अली, सचिन को छोड़ अहमद शहजाद को चुनने पर विवाद

पाकिस्तानी क्रिकेटर साहिबजादा फरहान ने सचिन तेंदुलकर पर अहमद शहजाद को अपना पसंदीदा बल्लेबाज बताकर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। इस बयान पर पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे शर्मनाक बताया और फरहान की समझ पर गंभीर सवाल उठाए हैं।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने गुरुवार को राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के एक वायरल वीडियो पर खुलकर नाराजगी और शर्मिंदगी जताई हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं, जिसमें फरहान एक रैपिड–फायर सेशन के दौरान अपने पसंदीदा बल्लेबाजों का चयन करते नजर आए।मौजूद जानकारी के अनुसार, इस वीडियो में साहिबजादा फरहान से सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा और पाकिस्तान के दिग्गज सईद अनवर जैसे नामों में से एक बल्लेबाज चुनने को कहा गया था। इस सवाल पर फरहान ने सभी को पीछे छोड़ते हुए पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद को अपनी पसंद बताया हैं। यही जवाब पूर्व खिलाड़ियों को खटक गया।गौरतलब है कि अहमद शहजाद का अंतरराष्ट्रीय करियर औसत रहा है और उन्होंने तीनों प्रारूपों में कुल 153 मैच खेलकर लगभग 5 हजार रन बनाए हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिने जाते हैं और कई आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे।एक यूट्यूब चौनल पर प्रतिक्रिया देते हुए बासित अली ने हाथ जोड़ते हुए कहा कि यह वीडियो उन्हें फर्जी लग रहा है। उन्होंने कहा कि साहिबजादा फरहान इतने नासमझ नहीं हो सकते कि वह सचिन तेंदुलकर के ऊपर अहमद शहजाद को चुनें। बासित अली ने यह भी कहा कि वह

व्यक्तिगत रूप से फरहान से मिलकर उनसे पूछेंगे कि क्या वह उस समय पूरी तरह होश में थे। इसके साथ ही उन्होंने और कामरान अकमल की ओर से इस बयान के लिए माफी भी मांगी हैं।इसी वीडियो में पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल ने भी हल्के–फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फरहान एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं और उन्हें अपने जवाब देते समय समझदारी दिखानी चाहिए थी। किसी को अपना आदर्श मानना अलग बात है, लेकिन सईद अनवर और सचिन तेंदुलकर से बेहतर बताना सही नहीं ठहराया जा सकता है। बता दें कि साहिबजादा फरहान पहले से ही भारत में विवादित चेहरा रहे हैं। वर्ष 2025 एशिया कप में भारत के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद उनके गन फायर सेलिब्रेशन ने काफी विवाद खड़ा किया था।

कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग क्षेत्रों को भारत-ईयू एफटीए से मिलेगा बड़ा बढ़ावारू- निर्यातक

निर्यतकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा।भारत और यूरोपीय संघ (म्न्) के बीच आगामी मुक्त व्यापार समझौता (थ्ज।) भारतीय व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने वाला है। निर्यातकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारतीय उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के द्वार पूरी तरह खोल देगा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कपड़ा, दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।कपड़ा और परिधान (ज्म•जपसमे)रू वर्तमान में भारतीय कपड़ा उद्योग को यूरोपीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पध्र्ाा का सामना करना पड़ता है। शुल्क समाप्त होने से भारतीय कपड़े वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे।दवा और रसायन (चिंतउं – बिमउपबंसे)रू गुणवत्ता और लागत के मामले में भारतीय दवाएं पहले से ही अग्रणी हैं। थ्ज। से यूरोपीय स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की पैठ और गहरी होगी।इंजीनियरिंग और मशीनरीरू इंजीनियरिंग सामानों के लिए यूरोप एक बड़ा खरीदार है। शुल्क मुक्त व्यापार से इस क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ेगा।रत्न और आभूषणरू भारतीय कारीगरी और रत्न यूरोपीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, जिन्हें अब और बड़ा बाजार मिलेगा। निर्यतकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा।

निर्यातकों ने उल्लेख किया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता निर्यातकों के लिए एक स्थिर ढांचा प्रदान करेगा।इससे भारतीय कंपनियां दीर्घकालिक निवेश की योजना बना सकेंगी और यूरोपीय मूल्य श्रृंखला से जुड़कर बाजार तक पहुंच सुरक्षित कर सकेंगी। परिध्ाान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा, यह एफटीए किसी एक बाजार पर हमारी निर्भरता को कम करने के लिहाज से एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा।उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क बहुत अधिक होने के कारण घरेलू निर्यातकों को उच्च लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।कानपुर स्थित ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध्ा निदेशक यदुवेंद्र सिंह सचान ने कहा कि घरेलू चमड़ा निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग निर्यात बढ़ाने के लिए करना चाहिए।उन्होंने कहा कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा बदलाव लाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि अमेरिकी शुल्कों में भारी वृद्धि भारतीय निर्यातों के एक बड़े दायरे को प्रभावित कर रही है, जिससे निर्यात बाजारों और व्यापार रणनीतियों में विविधीकरण को बढ़ावा देने की जरूरत का पता चलता है।

श्रीलंका में वाहनों की बिक्री में जोरदार उछाल, भारत से आयात 15% बढ़ा

श्रीलंका में जनवरी में नए वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 55,000 इकाई हो गया, जो दिसंबर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस दौरान भारत से वाहनों का आयात 15: उछाल के साथ 30,766 इकाई पर पहुँच गया, जिससे श्रीलंकाई वाहन बाजार में भारतीय कंपनियों की प्रमुखता बढ़ी है। विशेष रूप से, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है, जबकि कारों के पंजीकरण में मामूली गिरावट आई है, जो बाजार के बदलते रुझानों को रेखांकित करता है। कोलंबो। श्रीलंका में जनवरी में नए वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 55,000 इकाई हो गया, जो दिसंबर में 48,000 इकाई था। इस दौरान भारत से आयात में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषक संस्था जेबी सिक्योरिटीज ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत से आयात जनवरी में बढ़कर 30,766 इकाई हो गया जो दिसंबर में 26,631 इकाई था।जेबी सिक्योरिटीज ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, नए पंजीकरण में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 24,163 वाहनों के साथ सबसे अधिक रही। इसके बाद तिपहिया वाहन (3,441 इकाई), एसयूवी (2,100 इकाई) और ट्रक (237 इकाई) का स्थान रहे। कारों का पंजीकरण मासिक आधार पर घटकर जनवरी में 4,648 इकाई रह गया, जो दिसंबर में 5,007 इकाई था।

शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये पर

कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के कारण खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली। हालांकि इसके ऊर्जा और डिजिटल इकाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा। विभिन्न कारोबार से जुड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुदरा कारोबार में कमजोर रुख ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया।कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के कारण खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली। हालांकि इसके ऊर्जा

और डिजिटल इकाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा। मौजूदा वित्त वर्ष 2025–26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) में इसका शुद्ध लाभ 18,645 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक वर्ष पहले यह 18,540 करोड़ रुपये था।

बार्ड 2 का देशभक्तिसे भरा ट्रेलर रिलीज, सनी देओल की दहाड़ से फिर दहला पाकिस्तान

साल 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल श्बॉर्डर 2च का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर इस वॉर ड्रामा का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब रिलीज से एक हफ्ते पहले मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया है। फिल्म 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। जब भारत की सेना, नौसेना और वायु सेना एक साथ मिलकर लड़ती हैं। 3 मिनट 35 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत में दिखता है कि सनी देओल पर पाकिस्तानी सेना तोप तान देती है। लेकिन सनी देओल की आंखों में डर की जगह जोश और जज्बा दिखता है। इसके बाद सनी देओल की दमदार आवाज में डायलॉगबाजी शुरू होती है। जिसमें सनी देओल कहते हैं, श्फौजी के लिए बॉर्डर सिर्फ नक्शे पर खींची हुई एक लकीर नहीं है। बल्कि एक वादा है अपने देश से कि जहां वो खड़ा है, उसके आगे कोई नहीं जाएगा। न ही दुश्मन, न ही उसकी गोली और न ही उसका इरादा।च ट्रेलर में सनी देओल दमदार डायलॉगबाजी करते और जवानों में जोश भरते नजर आते हैं। उनका किरदार काफी हद तक श्बॉर्डरच के किरदार की ही तरह है।इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की। वरुण धवन थल सेना में हैं, दिलजीत वायु सेना और अहान नेवी ऑफिसर के किरदार में हैं। ट्रेलर में सनी देओल के अलावा वरुण ध वन और दिलजीत दोसांझ भी डायलॉग मारते नजर आते

हैं। युद्ध की कहानी और भारतीय सेना की वीरता को दिखाते इस ट्रेलर में फिल्म के सभी किरदारों की झलक दिखती है। ट्रेलर में अहान शेट्टी के खाते में डायलॉग कम हैं। ट्रेलर में तीनों सेनाओं के जज्बे को दिखाया गया है। लेकिन ट्रेलर प्रमुख रूप से ध्यान सनी देओल पर केंद्रित है। ट्रेलर में जज्बे और हौसले के साथ इमोशन को भी दिखाया गया है। फौजियों के परिवार की झलक भी दिखाई गई है। कैसे जब एक फौजी जंग पर जाता है, तो उसके परिवार पर क्या बीतती है। ट्रेलर में फिल्म की फीमेल एक्ट्रेस सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा की झलक भी दिखती है। हालांकि, आन्या सिंह ट्रेलर में नजर नहीं आती हैं।

अल्लू अर्जुन-लोकेश कनगराज ने छोड़ा ब्रह्मस्त्र, मैथ्री मूवी के साथ किया नई फिल्म एए23 का एलान

मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपने पैन इंडिया प्रोजेक्ट का एलान किया है. प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर अपने आगामी प्रोजेक्ट का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने हीरो और टाइटल का खुलासा किया है.

मैथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपने आगामी प्रोजेक्ट, एए23 का एलान किया. इस प्रोजेक्ट में उनके साथ पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन, कूली डायरेक्टर लोकेश कनगराज और जाने–माने म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर होंगे. यह अल्लू अर्जुन की 23वीं फिल्म होगी और उनकी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी पुष्पा के बाद मैथ्री मूवी के साथ यह उनका दूसरा कोलैबोरेशन होगा.

अल्लू अर्जुन ने अनाउंसमेंट वीडियो भी पोस्ट किया और लिखा, मैं कहता हूं 23. एक के बाद एक काम करने जा रहा हूं. लो–की जी मानसिक रूप से लॉक हो गया है. यह पक्का है. मावेरिक लोकेश कनगराज गारू के साथ नई जर्नी को लेकर एक्साइटेड हूं और आखिर में भाई अनिरुद्ध के साथ. इसका इंतजार नहीं कर सकता.

एए23 के अनाउंसमेंट वीडियो में में अल्लू अर्जुन को जंगल के राजा के तौर पर दिखाया गया है,

जिसका प्रतीक शेर है. वीडियो में, भेड़ियों का एक झुंड शेर पर हमला करने का प्रयास करता है, जिस पर शेर जोरदार दहाड़ मारता है. वीडियो का अंत लोकेश कनगराज की फिल्म के नाम से होता है. इसका अस्थायी नाम एए23 है. यह प्रोजेक्ट 2026 में शुरू होने वाला है, जब अल्लू अर्जुन एटली के साथ अपनी फिल्म पूरी कर लेंगे.अनिरुद्ध रविचंदर इस फिल्म के लिए म्यूजिक देंगे, जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होने वाली है. अनाउंसमेंट वीडियो में गाना, 23, के बोल मिस्टिरियस हाइजेनबर्ग ने लिखे हैं और इसे हेक्टर सलामांका ने गाया है.

अर्जुन के पास एटली के साथ एक हाई–बजट फिल्म भी है, जिसका टेंटेटिव टाइटल एए22 – ए6 है. सन पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई इस साइंस–फिक्शन फिल्म में दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में हैं.

नील नितिन मुकेश ने फैंस को मिला तोहफा, फिल्म श्खलीफाTM से मलयालम सिनेमा में होगा डेब्यू, पोस्टर भी आउट

बॉलीवुड एक्टर नील नितिन मुकेश का 44 वां जन्मदिन जन्मदिन है। एक्टर ने अपने बर्थ डे के मौके पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि वह मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में वह एक अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में साउथ के चर्चित एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। उन्होंने भी नील नितिन मुकेश के मलयालम सिनेमा में डेब्यू वाली पोस्ट को शेयर किया है। जानिए, किस फिल्म का हिस्सा बनेंगे नील नितिन मुकेश? नील नितिन मुकेश ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयक की, जिसमें मलयालम फिल्म श्खलीफाच का पोस्टर शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, श्मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहली फिल्म की घोषणा करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है।च वहीं साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने श्खलीफाच फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। जिसके कैप्शन में लिखा, श्हैप्पी बर्थडे नील नितिन मुकेश! मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में आपका स्वागत है।

धुरंधर की दहाड़ से फिर दहला बाक्स आफिस, 41वें दिन कर डाला इतना तगड़ा कलेक्शन

रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना स्टारर फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर अपने छठे हफ्ते के एंड के करीब है, लेकिन इसके बावजूद यह बड़ी संख्या में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है. आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने 5 दिसंबर को रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर सभी बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. अब, बॉक्स ऑफिस पर इसने 41 दिन पूरे कर लिए हैं और ये डेढ़ महीने से भी ज्यादा पुरानी फिल्म नई रिलीज प्रभास स्टारर द राजा साब पर भी भारी पड़ रही है. ऐसे में जानते हैं इसने 41वें दिन कितनी कमाई की है?छठे हफ्ते में एंट्री करने के बाद धुरंधर की रफ्तार टिकट खिड़की पर कुछ धीमी पड़ गई थी. हालांति इस फिल्म ने छठे बुधवार को अच्छी तेजी दिखाई है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार से 2 करोड़ रुपये के आसपास कमाई करने वाली इस फिल्म ने बुधवार को यानी 41वें दिन एक बार फिर 3 करोड़ रुपये का कमाए हैं. वहीं इसके 41 दिनों का कुल कलेक्शन अब 813.60 करोड़ रुपये हो गया है. पहले कई हफ्तों तक डबल डिजिट में में कमाई कर रही इस फिल्म ने छठे शुक्रवार को लगभग 3.5 करोड़ रुपये ही कमा पाई थी. इसके बाद शनिवार और रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी बढ़त दर्ज की और क्रमशरू 5.75 करोड़ रुपये और 6.15 करोड़ रुपये कमाए. हालांकि, सोमवार को इसकी

कमाई गिरकर 2.35 करोड़ रुपये और मंगलवार को 2.6 करोड़ रुपये रह गई. इसके साथ ही, फिल्म का छठे सप्ताह का कुल कलेक्शन अनुमानित 23.35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. शानदार प्रदर्शन के साथ, सैकनिल्क के अनुसार फिल्म का कुल कलेक्शन अब 813 करोड़ रुपये नेट हो गया है. वहीं,इंडिया का ग्रॉस कलेक्शन 976. 1 करोड़ रुपये होने का अनुमान है फिल्म ने विदेशों में भी 293 करोड़ रुपये की प्रभावशाली कमाई की है जिससे फिल्म का वर्ल्डवाइड कुल कमाई अब 1269.1 करोड़ रुपये हो गई है.

आमिर खान के बेटे जुनैद की फिल्म एक दिन का पहला पोस्टर हुआ जारी, 1 मई को रिलीज होगी साई पल्लवी की फिल्म

महाराज और लवयापा जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके जुनैद खान की आगामी बॉलीवुड फिल्म एक दिन का पहला पोस्टर रिलीज हो चुका है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने आज एक दिम की रिलीज की जानकारी शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक दिन का पहला पोस्टर जारी किया। इसमें जुनैद खान और साई पल्लवी बर्फबारी में रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। दोनों बर्फबारी में कड़ाके की ठंड के बीच आइसक्रीम खाते दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, जिंदगी की उथल–पुथल में, प्यार तुम्हें ढूंढ लेगा... एक दिन।फिल्म निर्माताओं ने एक दिन के फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान कर

दिया है। एक दिन 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं फिल्म का पहला टीजर आज 16 जनवरी को जारी किया जाएगा। एक दिन के डायेरक्टर सुनील पांडे हैं। एक दिन की कहानी स्नेहा देसाई और स्पनंद मिश्रा ने लिखी है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। म्यूजिक राम संपत का है। लिरिक्स इरशाद कामिल के हैं। यह जुनैद की तीसरी फिल्म है। इससे पहले जुनैद महाराज और लवयापा में नजर आ चुके हैं। साई पल्लवी साउथ एक्ट्रेस हैं। वो रणबीर कपूर के साथ रामायण में नजर आएंगी।

संदीपा धर ने लाल ड्रेस में बढ़ाया ग्लैमर का पारा

अभिनेत्री संदीपा धर जानती हैं कि स्टाइल स्टेटमेंट कैसे बनाया जाता है, और उनकी हालिया अपीयरेंस इस बात का शानदार सबूत है। बोल्ड रेड ड्रेस में नजर आईं संदीपा ने ग्लैमर, कॉन्फिडेंस और अट्रैक्शन का ऐसा परफेक्ट मेल पेश किया कि फैशन लवर्स और फैंस दोनों ही प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रेड एन्सेंबल का डेरिंग सिलुएट और स्ट्रैटेजिक कट–आउट्स संदीपा की टोंड फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट करते हैं। हाल्टर नेकलाइन उनके कॉलरबोन्स और शोल्डर्स को हाइलाइट करती है, जबकि फिगर–हगिंग फिट उनकी कर्व्स को एलिगेंट और सेंसुअस अंदाज में उभारता है। थाई–हाई स्लिट लुक में ड्रामैटिक टच जोड़ता है, जिससे यह आउटफिट सोफिस्टिकेशन और बोल्ड हॉटनेस के बीच बेहतरीन बैलेंस बनाता है। इस लुक को खास बनाती है संदीपा का इसे कैरी करने का अंदाज। उनका कॉन्फिडेंट पॉश्चर, फ्लुइड पोज और सहज ग्रेस इस ड्रेस को सिर्फ फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक पावरफुल स्टाइल स्टेटमेंट बना देते हैं। कंधों पर गिरती सॉफ्ट वेव्स और मिनिमल मेकअप लुक को सटल रखते हुए ड्रेस पर फोकस बनाए रखते हैं, जबकि उनकी ग्लोइंग स्किन और

एक्सप्रेसिव आंखें मैग्नेटिक अपील को और बढ़ा देती हैं।

विशेष रूप से अक्सर पैशन और पावर का रंग माना जानेवाला लाल रंग ऐसा लग रहा है, जैसे वो खास तौर पर संदीपा धर के लिए ही बना हो। यह शेड उनके कॉम्प्लेक्शन को न सिर्फ खूबसूरती से निखार रहा है, बल्कि उनकी बोल्ड ऑन–स्क्रीन पर्सनैलिटी को और भी उभार रहा है, जिससे यह लुक एक साथ फियरी और रिफाइंड नजर आ रहा है। संदीपा धर अपने अपीयरेंस से यह भी साबित कर रही हैं कि सच्चा स्टाइल सिर्फ पहनावे में नहीं, बल्कि उसे निभाने के अंदाज में होता है।इस शानदार रेड ड्रेस मोमेंट के साथ संदीपा धर एक बार फिर साबित करती हैं कि वह एलिगेंस और ऊम्फ के बीच बेहद आसानी से मूव कर सकती हैं। ऐसे में यह कहें तो बिलकुल गलत नहीं होगा कि हॉट, कॉन्फिडेंट और फैशन–फॉरवर्ड के साथ लगातार स्टाइल गोल्स सेट करती जा रही संदीपा धर इंडस्ट्री की सबसे एफर्टलेसली ग्लैमरस एक्ट्रेसेज में अपनी जगह और मजबूत कर रही हैं।

जब 4 साल की उम्र में फातिमा सना शेख को सेट पर पड़ी थी जोरदार डांट, संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था।

सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए।

फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे–मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला।

इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

धनुष के फैंस को तोहफा, मेकर्स ने शेयर किया डी54 का टाइटल रिवीलय फिल्म कारा का पोस्टर भी हुआ जारी

धनुष की अगली फिल्म को लेकर अटकलें थीं, इसका नाम डी54 हो सकता है। मेकर्स ने फिल्म का टाइटल रिवील कर दिया है। फिल्म का पोस्टर रिलीज हुए टाइटल भी सामने आ चुका है। पोस्टर में धनुष का लुक भी काफी अलग नजर आ रहा है। फिल्म को डायरेक्टर विग्नेश राजा बना रहे हैं।धनुष की फिल्म का पहला पोस्टर सामने आया है। इसके साथ फिल्म का टाइटल लिखा है। धनुष की फिल्म का नाम श्काराच्च होगा। पोस्टर में उनका लुक भी काफी अलग है, वह काफी इंटेंस लुक में दिख रहे हैं। हाथ में हथियार है और चारों तरफ आग लगी है। इससे लगता है कि फिल्म में जबरदस्त एक्शन दर्शकों को देखने को मिलेगा।धनुष की फिल्म श्काराच्च का पोस्टर मकर संक्राति और पोंगल के त्योहार के मौके पर रिलीज किया गया। ध नुष और मेकर्स ने फैंस को इन त्योहारों पर शुभकामनाएं भी दी हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, इन दिनों पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। फिल्म का म्यूजिक पराशक्ति मूवी के म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। कहानी को डायरेक्टर विग्नेश ने ही लिखा है।फिल्म कारा में धनुष एक्शन करते नजर आएंगे। वहीं पिछले साल रिलीज हुई इडली कढ़ाई में वह एक इमोशनल स्टोरी का हिस्सा बने। वहीं फिल्म श्तेरे इश्क मेंच उनका इंटेंस रोमांस दर्शकों को देखने को मिला। इस तरह वह अलग–अलग जॉनर में अभिनय करके दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं।

क्या वजन घटाने के लिए भूखा रहना सही है? जानिए क्या है इस बात की सच्चाई

वजन घटाने के लिए कई लोग दिन–दिनभर भूखे रहते हैं। वे या तो दिन में एक ही बार भोजन करते हैं या फिर केवल 2 मील लेते हैं। यह एक आम धारणा है, लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है, इस पर ज्यादा बात नहीं होती। इस लेख में हम इसी भ्रम को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि क्या वाकई भूखा रहना वजन घटाने का सही तरीका है या नहीं।भूखा रहना क्या सच में असरदार है?

भूखा रहना कभी–कभी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसे लंबे समय तक जारी रखना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। जब आप भूखे रहते हैं तो आपका शरीर ऊर्जा बचाने के लिए शरीर की क्रियाओं को धीमा कर देता है, जिससे वजन घटाना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा भूखे रहने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए, हमेशा संतुलित डाइट लेने पर ध्यान दें।शरीर की क्रियाएं होती हैं प्रभावितभूखा रहने से शरीर की क्रियाएं धीमी हो जाती हैं, जिससे वजन घटाना मुश्किल हो जाता है। जब आप खाना बंद करते हैं तो आपका शरीर ऊर्जा बचाने के लिए क्रियाओं को धीमा कर देता है, जिससे कैलोरी जलना कम हो जाता है। इसके अलावा भूखे रहने से शरीर ऊर्जा के लिए वसा को जलाने तो लगता है,।

सर्दियों में कपड़े धोने से जुड़ी इन गलतियों से बचें, हो सकता है नुकसान

सर्दियों में कपड़े धोने का तरीका गर्मियों के मुकाबले काफी अलग होता है। इस मौसम में कपड़े धोने से लेकर सुखाने और स्टोर करने तक कई ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उदाहरण के लिए अगर गीले कपड़ों को ठीक से सुखाया न जाए तो इससे उनमें फफूंद लग सकती है। आइए आज हम आपको सर्दियों में कपड़े धोने से जुड़ी कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं।गीले कपड़ों को धोने के बाद मशीन में छोड़ना

कई लोग गीले कपड़े धोने के बाद उन्हें वॉशिंग मशीन में छोड़ देते हैं, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। गीले कपड़े अगर ज्यादा देर तक मशीन में पड़े रहते हैं तो उनमें फफूंद लग सकती है, जिससे कपड़े खराब हो सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप गीले कपड़ों को धोने के बाद उन्हें तुरंत सुखा दें। इससे कपड़े लंबे समय तक अच्छे बने रहेंगे।कपड़ों को मशीन में ज्यादा देर तक घुमाना कई लोग यह मानते हैं कि कपड़ों को ज्यादा देर तक घुमाने से वे अच्छे से साफ हो जाएंगे, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। कपड़ों को ज्यादा देर तक वॉशिंग मशीन में घुमाने से उनके धागे कमजोर हो सकते हैं और कपड़े जल्दी खराब हो सकते हैं। इसलिए कपड़ों को धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करते समय उन पर ज्यादा जोर न डालें। इससे कपड़े सुरक्षित रहेंगे।ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना कपड़े धोने के लिए ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना भी नुकसानदायक हो सकता है। इससे न सिर्फ कपड़े साफ नहीं होते, बल्कि उनकी चमक भी खराब हो जाती है। ज्यादा डिटर्जेंट के कारण कपड़ों में खुजली और चकत्ते जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके अलावा इससे पर्यावरण पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमेशा डिटर्जेंट का सही मात्रा में ही इस्तेमाल करें।गीले कपड़ों को तह लगानाअगर आप गीले कपड़ों को तह लगाकर स्टोर कर देते हैं तो ऐसा करने से इन पर फफूंद या बदबू लग सकती है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता खराब हो सकती है और उन्हें पहनने लायक बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए गीले कपड़ों को हमेशा लटकाकर सुखाएं या उन्हें किसी बड़े बैग में स्टोर करें। इससे कपड़े सुरक्षित रहेंगे।गीले कपड़ों को छोटे बैग में रखना कई लोग गीले कपड़ों को छोटे बैग में रख देते हैं,।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।